दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 284/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 24 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

हार्वर्ड में अब विदेशी छात्रों को नहीं मिलेगा प्रवेश , ट्रंप प्रशासन ने लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति और उनका प्रशासन हाथ-पैर धोकर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पीछे पड़ गया है। एकबार फिर हार्वर्ड विश्वविद्यालय पर बड़ी कार्रवाई की है। अब हार्वर्ड विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे पाएगा। होमलैंड सिक्योरिटी की सचिव ने पत्र लिखकर कहा है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक यह रोक लागू रहेगी। सरकार का आरोप है कि हार्वर्ड में यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि विदेशी छात्रों को दाखिला देना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। हालांकि, हार्वर्ड विश्वविद्यालय को भेजे गए पत्र में यह उल्लेख किया गया था कि, यदि हार्वर्ड आगामी शैक्षणिक स्कूल वर्ष से पहले छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम प्रमाणन को पुनः प्राप्त करने का अवसर चाहता है, तो उन्हें 72 घंटे के भीतर आवश्यक जानकारी प्रदान करनी चाहिए। हार्वर्ड की स्थापना 1636 में हुई थी और यह दुनिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है।

अमेरिका में ही बनें आईफोन, ट्रंप की एप्पल को चेतावनी, 25 प्रतिशत टैरिफ की धमकी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होना चाहिए। उन्होंने भारत या अन्य देशों में

आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग पर रोक लगाने की बात कही और ऐसा न करने पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने टिम कुक को पहले ही बता दिया था कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन अमेरिका में ही बनने चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो एप्पल को भारी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।

भारत का पाकिस्तान पर सख्त रुख, हवाई क्षेत्र में नो-एंट्री का बैन 23 जून तक बढ़ा

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कठोर नीति को और मजबूत करते हुए पाकिस्तानी उड़ानों और सैन्य विमानों के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र में नो-एंट्री की अवधि को एक महीने और बढ़ा दिया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार 23 मई 2025 को घोषणा की कि पाकिस्तान में पंजीकृत, संचालित, लीज पर ली गई या पाकिस्तानी ऑपरेटरों द्वारा चलाई जा रही कोई भी उड़ान, चाहे वह नागरिक हो या सैन्य, 23 जून 2025 तक भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकेगी। यह फैसला भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर लिया गया है।

भारत खुद का स्वदेशी मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करने पर काम कर रहा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमला के बाद भारत के आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव के दौरान भारतीय डिफेंस सिस्टम ने बेहतरीन ढंग से काम करते हुए पाकिस्तान की ओर से भेजे गए सारे ड्रोन्स और मिसाइल को नष्ट कर पाकिस्तानी हमले को नाकाम कर दिया था। रूसी एस 400 ने प्रभावशाली काम करते हुए पाकिस्तानी ड्रोन्स को हवा में ही नाकाम कर हमले के प्रयास को विफल कर दिया था। अब भारत अपना खुद का स्वदेशी मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करने पर काम कर रहा है।आकाश जैसी एअर डिफेंस सिस्टम बनाने वाली एक प्रमुख रक्षा क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) प्रोजेक्ट कुशा के तहत एस 400 की तरह ही स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम बनाने में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 12 से 18 महीने में प्रोटोटाइप को पूरा करना है, उसके बाद उपयोगकर्ता परीक्षण होंगे, जो 12 से 36 महीने तक चल सकते हैं।

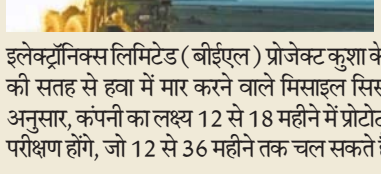

फिर डरा रहा कोरोना, देशभर में मिले 312 मामले, दिल्ली में एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में गुजरात के अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना संक्रमित पाया गया है। इस तरह देश में अब तक कोरोना के 312 एक्टिव केस हैं और 2 मौतें हो चुकी हैं। वहीं, दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी भी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों तथा वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें। दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि सभी पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल में भेजा जाए। सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ डेटा पोर्टल पर रोज अपलोड करनी होगी। यह एडवाइजरी ऐसे समय पर जारी की गई है जब पाकिस्तान, चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। गुजरात अब तक कुल 40 मामले आ चुके, जिनमें से 33 एक्टिव हैं।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक

विकसित भारत @2047 के लिए राज्यों की भूमिका और इकोनॉमी पर किया मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को शुरू हुई। नई दिल्ली में गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय विकसित राज्य के लिए विकसित भारत@2047 था। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया। राज्य सचिवालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में भाग न लेने के ममता बनर्जी के फैसले के पीछे का कारण अज्ञात है।

नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ यह पहली बड़ी बैठक है। आम तौर पर पूर्ण परिषद की बैठक हर साल होती है और पिछले साल यह 27 जुलाई को हुई थी। परिषद की पहली बैठक 8 फरवरी, 2015 को हुई थी।

बैठक में अर्थव्यवस्था पर होगा फोकस

अधिकारी के अनुसार, बैठक में बजट 2025-26 में की गई पहलों और भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन की ओर से जवाबी शुल्क लगाए जाने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था मुश्किलों का सामना कर रही है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी की ओर जाने, चीन की वृद्धि दर में भारी गिरावट आने तथा वैश्विक स्तर पर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मंदी आने की संभावना के बावजूद, भारत की चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.2-6.7 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने नीति आयोग की बैठक में काम-काज की दी जानकारी

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। यह बैठक नीति आयोग के गवर्निंग काउंसिल की है। इस बैठक में मप्र सरकार ने कामकाज की जानकारी देश के बड़े नेता और एक्सपर्ट्स के सामने पेश की। प्रदेश की औद्योगिक नीति के साथ ही अन्य कामकाज के संबंध में जानकारी दी। यह भी बताया कैसे विकास के काम होंगे। मध्य प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, लेकिन स्थानीय जरूरतों पर आधारित दीर्घकालिक और समावेशी विजन दस्तावेज तैयार किया। इसमें मानव विकास, आर्थिक प्रगति, सतत विकास, तकनीकी नवाचार और शासन सुधार शामिल है। प्रदेश सरकार ने जो 2047 का विजन डॉक्यूमेंट बनाया है इसे भी अधिकारी बैठक में पेश किया।

देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर 300 रुपए का सिक्का जारी करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। 31 मई को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के जंबूरी मैदान में एक विशेष महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 300 रुपए मूल्य का स्मारक सिक्का जारी करेंगे। शुक्रवार को इस संबंध में वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक गजट अधिसूचना

भी जारी कर दी है। यह सिक्का भारत में ऐसा पहला सिक्का होगा, जिसका मूल्यवर्ग 300 रुपए का होगा, जो इसे विशेष और ऐतिहासिक बनाता है। इस स्मारक सिक्के का वजन लगभग 35 ग्राम होगा, जिसमें चांदी की मात्रा 50त होगी। सिक्के के एक तरफ देवी अहिल्याबाई होलकर की तस्वीर अंकित होगी। सिक्के के सामने के हिस्से के बीच में अशोक स्तम्भ का सिंह सिर होगा। इसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होगा। इसके बाएं तरफ देवनागरी लिपि में भारत शब्द होगा और दाहिनी तरफ अंग्रेज़ी में इंडिया लिखा होगा।

नागरिकों की सुरक्षा पर बोल रहा था पाक, भारत ने कर दी बोलती बंद, भाषण देना बंद करो

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए जोरदार प्रहार किया है। इस बैठक में नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा हो रही थी। भारत ने कहा कि जो देश आतंकवादियों और नागरिकों में फर्क नहीं करता उसे नागरिकों की सुरक्षा पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पुरी ने पाकिस्तान की आधारहीन और पाखंडी बातों के तथ्यों के साथ जवाब दिया और ऐसे कई उदाहरण भी दिए जिससे कि आतंक का प्रयाय बन चुका पाकिस्तान बेनकाब हो गया। उन्होंने कहा, भारत ने दशकों तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद झेला है। मुंबई का 26/11 हमला हो या अप्रैल 2025 में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार। इनका निशाना हमेशा हमारे आम नागरिक रहे हैं।÷ उन्होंने कहा, ऐसे देश का नागरिकों की सुरक्षा पर बोलना अंतरराष्ट्रीय समुदाय के मुंह पर तमाचा है।

मंत्री विजय शाह गायब, कांग्रेस ने लगाए ढूंढ कर लाने वाले को इनाम देने के पोस्टर, एसआईटी पहुंची गांव

भोपाल। देश की बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद से ही मप्र के कैबिनेट मंत्री विजय शाह सार्वजनिक जगह पर नहीं दिख रहे हैं। अब कांग्रेस ने उन्हें ढूंढकर लाने वाले को इनाम देने की घोषणा की है। उधर एसआईटी की जांच जारी है और वह रायकुंडा गांव पहुंच गई, जहां मंच पर मंत्री ने यह बयान दिया था।

इंग्लैंड के लिए 18 सदस्यीय टेस्ट टीम का ऐलान, शुभमन गिल कप्तान व पंत उप-कप्तान

मुंबई। बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ऋषभ पंत उप-कप्तान चुने गए हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को मुंबई में हुई मीटिंग में इसका ऐलान किया। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा भी हुई। 20 जून से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे में भारत को 5 टेस्ट खेलने हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रिटायरमेंट के बाद टीम में साई सुदर्शन और करुण नायर को जगह मिली है। वहीं शार्दुल ठाकुर की टीम में वापसी हुई है।

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर, उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

नदी को सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है जल है तो ही जीवन संभव है

पैदल यात्रा कर लोगों से नदी के पथ और पाट को साफ स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त करने की कैबिनेट मंत्री ने की अपील

मंत्री पटेल सींगरी नदी पथ एवं पाट को साफ- सफाई अभियान में हुए शामिल लगभग 8 किलोमीटर तक हुई सफाई

नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रेरित मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा स्वयं के व्यय से प्राचीन धरोहर सींगरी नदी पथ एवं पाट की साफ़- सफ़ाई हुई। मंत्री पटेल ने सिंगरी नदी के उद्गम स्थल से 5 किमी तक नदी का पथ एवं पाट अतिक्रमण मुक्त कर नदी के पुनर्जीवन के लिए पद यात्रा का शुभारंभ किया। साथ ही नदी पुनर्जीवन के लिए स्थानीय लोगों से संवाद भी किया मंत्री पटेल ने प्रेरक कहानी के माध्यम से कहा कि जो समाज से लेता है उसे याद नहीं किया जाता लेकिन जो समाज को देता है वो हमेशा याद रखा जाता है। जब नदी की एक जल धारा को ठीक करेंगे, तब नदी में शुद्ध जल का बहाव होगा, तब हम नरसिंहपुर में कुछ बेहतर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज डांगीढाना जाकर मुरलीपौड़ी से चौराखेड़ा तक पैदल चलेंगे और कल यहां से समनापुर तक जायेंगे। किसानों से अपील करें कि दूषित पानी का उपयोग अपनी खेत में सिंचाई के लिए नहीं करें, आने वाले समय में गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं उन्होंने सभी नागरिकों से निवेदन किया कि सींगरी नदी में गीष्मऋतु में पुनरूद्धार, बरसात के समय में पौधरोपण और बरसात उपरांत बोरी बंधान से आगे नदी में बेहतर पानी रहेगा। हम पानी से प्यार करते हैं, लेकिन यह पानी कहां से आता है उसका पता नहीं है इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष रामसनेही पाठक अन्य मौजूद रहे।

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून

यह 16 साल में सबसे जल्दी, 28 राज्यों में आंधी-बारिश और गर्मी का रेड अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून ने शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2024 में यह 30 मई को केरल पहुंचा था।

मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है। आम तौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून की शुरुआत की तारीख और सीजन के दौरान कुल बारिश के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा।

मौसम विभाग ने 24 मई के लिए दो तरह के रेड अलर्ट जारी किए हैं। पहला भारी बारिश और दूसरा भीषण गर्मी का है।

पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर बना लो प्रेशर सिस्टम

केरल के अलावा, आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण और मध्य अरब सागर, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र, लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों, कर्नाटक, तमिलनाडु, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में इसी अवधि के दौरान आगे बढ़ने का अनुमान लगाया है। इसके समानांतर, दक्षिण कोंकण-गोवा तट से दूर, पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर एक लो प्रेशर वेदर सिस्टम बनने की खबर है. अगले 36 घंटों में उत्तर की ओर बढ़ते हुए यह लो प्रेशर वेदर सिस्टम और भी मजबूत हो सकता है और स्थानीय वेदर पैटर्न को प्रभावित कर सकता है, जिससे पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों में बारिश और हवा में बदलाव हो सकता है।

राष्ट्रीय भाई दिवस

राष्ट्रीय भाई दिवस की आपसभी को हार्दिक शुभकामनाएं। उपनिषदों का मंत्र वसुधैव कुटुंबकम् हमें सिखाता है कि सारा विश्व एक कुटुंब है। फिर भी, आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम इस भावना से दूर होते जा रहे हैं। हमने विज्ञान की बदौलत अंतरिक्ष को जीत लिया, लेकिन पड़ोस में रहने वाले भाई के घर का दरवाजा खटखटाना भूल गए। हमने तकनीक से संदेशों की गति बढ़ा दी, पर दिल से दिल तक की बात कम हो गई। राष्ट्रीय भाई दिवस हमें यह सिखाता है कि सच्चा भाईचारा छोटे-छोटे कर्मों में बसता है– किसी का दुख बांटना, किसी की खुशी में शामिल होना, या बस एक गर्मजोशी भरी मुस्कान साझा करना। यह आध्यात्मिक यात्रा हमें अपने अहंकार को त्यागकर दूसरों के लिए जीना सिखाती है। चाहे वह सगा भाई हो या समाज का कोई अन्य सदस्य, भाईचारा हमें करुणा, सहानुभूति और एकता का पाठ पढ़ाता है। आइए, इस राष्ट्रीय भाई दिवस पर संकल्प लें कि हम अपने भाइयों–परिवार के हों या समाज के–के साथ न केवल शब्दों में, बल्कि कर्मों में भी भाईचारे का बंधन मजबूत करेंगे। एक छोटा सा प्रयास– किसी की मदद करना, किसी को सुनना, या एक स्नेहपूर्ण स्पर्श–वह चांदनी बन सकता है, जो चांद की रोशनी से भी अधिक उज्ज्वल हो। चांद पर पहुंचना हमारी बुद्धि की जीत है, लेकिन भाई के दिल तक पहुंचना हमारी आत्मा की विजय है। इस राष्ट्रीय भाई दिवस पर, आइए उस विजय की ओर कदम बढ़ाएं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचे

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान आज पहुंचें। एम्स पहुंचने पर उन्होंने चिकित्सालय परिसर का भ्रमण किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने चिकित्सालय पहुँच कर वहाँ उपस्थित रोगियों और उनके परिजनों से चर्चा की। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के परिसर में पूर्व में उनके द्वारा रोपित पीपल के पौधे को सिंचित भी किया।

स्टेट चेप्टर मीटिंग में साइबर ठगी को लेकर किया जागरुक

भोपाल। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सभी माइक्रोफाइनेंस स्मॉल फाइनेंस बैंक एनबीएफसी और बैंकों के स्टेट हेड और जोनल हेड्स के साथ माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क के नेतृत्व में स्टेट चैप्टर मीटिंग का आयोजन रायपुर के सयाजी होटल में किया गया स्टेट चैप्टर मीटिंग में छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के सभी हेड सम्मिलित रहे और उन्होंने सभी फील्ड समस्याओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर सेल की टीम ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता फैलाने के लिए छत्तीसगढ़ में संचालित सभी संस्थानों को भी जागरूक किया। छत्तीसगढ़ में करीब 15 लाख माइक्रो फाइनेंस संस्थानों के ग्राहक जो कि गरीब आदिवासी महिलाएं हैं, जो साइबर अपराधियों का शिकार बनती हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस की साइबर सेल शाखा ने गरीब आदिवासी महिलाओं को साइबर ठगी से खुद को बचाने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण दिया और सभी से आग्रह किया कि वे अपने फील्ड स्टाफ के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के सभी गांव में जाकर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से सुरक्षा संबंधी जागरूकता फैलाए। स्टेट चैप्टर मीटिंग में एम फिन के वाइस प्रेसिडेंट श्री धीरज सोनी साइबर सेल शाखा से श्री चिंतामणि साहू जी, पूर्व अतिरिक्त पुलिस राजीव शर्मा जी,पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री बी.बी. शर्मा जी सहित साइबर सेल शाखा में पदस्थ पुलिस कर्मी एवं छत्तीसगढ़ के माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के स्टेटस संमिलित हुए।

एमपी पहुंच गया कोरोना, यहां एक साथ दो संक्रमितों के मिलने से मचा हड़कंप

इंदौर एजेंसी। साल 2020 से लेकर 2022 के बीच दुनियाभर को हिला देने वाले कोविड-19 वायरस का नया वैरिएंट एक बार फिर भारत के कई राज्यों में एक्टिव हो गया है। कोविड-19 के नए वैरिएंट JN.1 की देश के केरल, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ के बाद मध्य प्रदेश में भी एंट्री हो गई है। कोरोना संक्रिमतों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। पिछली बार मध्य प्रदेश में कोरोना का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट रहे इंदौर के जरिए इस बार भी कोरोना वायरस ने एमपी में दस्तक दे दी है। खास बात ये है कि, इंदौर में कोरोना के एक साथ दो संक्रमित सामने आए हैं। संक्रमितों में एक की ट्रेवल हिस्ट्री केरल से होना सामने आई है, जबकि दूसरा संक्रमित इंदौर में ही रहा, उसकी कोई बेक ट्रेवल हिस्ट्री नहीं है। बता दें कि दोनों मरीजों ने निजी लैब में कोरोना की जांच कराई थी, जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल सक्रीय होते हुए मामले को संज्ञान में लिया। दोनों पेशेंट की लैब में दोबारा से जांच करवाई जा रही है। बताया जा रहा है कि, दोनों को फिलहाल मामूली खांसी और हल्का बुखार है।

52 नई चौड़ी सपाट सड़कों को मिली मंजूरी, जल्द जारी होंगे टेंडर

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़क निर्माण पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत जहां पुरानी सड़कों को नया रूप दिया जा रहा है, उन्हें चौड़ा किया जा रहा है वहीं नई सड़कें भी निर्मित की जा रहीं हैं। भोपाल संभाग में भी 52 नई सड़क निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है। सभी सड़कों का निर्माण लोक निर्माण विभाग यानि पीडब्लूडी कराएगी। खास बात यह है कि इनका काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार सभी सड़कों के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट यानि डीपीआर बनाने का काम शुरू हो चुका है। प्रशासकीय मंजूरी मिलते ही टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

करीब तीन माह पूर्व भोपाल संभाग में 52 नई सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। मप्र सरकार के बजट में ये सड़कें स्वीकृत की गईं। अब इनका काम चालू होने की उम्मीद है। इनमें भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों में 14 नई सड़कें बनेंगी।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी सड़कों की डीपीआर बनाने का काम चल रहा है। प्रशासकीय स्वीकृ?ति मिलने के तुरंत बाद टेंडर जारी कर दिए जाएंगे।

100 से ज्यादा सड़कों को स्वीकृति दी- राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवडा ने बजट में भोपाल संभाग के लिए दरियादिली दिखाते हुए 100 से ज्यादा सड़कों को स्वीकृति दी थी। इनमें सबसे ज्यादा सड़कें रायसेन में बनाई जाएंगी। पीडब्लूडी अधिकारी बताते हैं कि अब हर माह 3-4 नई सड़कों का काम शुरू होगा।

वीर सावरकर जयंती पर होगा कार्यक्रम

भोपाल। वीर सावरकर जयंती पर वीर सावरकर सामाजिक सांस्कृतिक एवं खेल संरक्षण समिति तथा धर्म संस्कृति समिति के संयुक्त तत्वावधान में वीर सावरकर जयंती समिति के अध्यक्ष कमल गर्ग की अध्यक्षता में कोटरा स्थित वीर सावरकर बाल उद्यान में प्रातः 10 बजे मनाई जायेगी। जिसके मुख्य अतिथि दक्षिण-पश्चिम विधान सभा के माननीय विधायक भगवानदास सबनानी होंगे तथा श्रृद्धांजलि सभा में विश्वास सारंग मंत्री, कृष्णा गौर, राज्यमंत्री, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद किशन सूर्यवंशी एवं मुख्य वक्ता संतोष गोडबोले, निर्देशक, मराठी अकादमी शामिल होंगे। इससे पूर्व दस से पंद्रह आयु वर्ग के विद्यार्थियों हेतु वीर सावरकर के जीवन पर आधृत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 9 बजे से 10 बजे तक कोटरा स्थित सरस्वती विद्यालय में वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा निरीक्षण में कराई जायेगी अभी तक लगभग पचास प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी है। सफल प्रतिभागियों कों दिनांक 28 मई को श्रद्धांजलि सभा में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार अतिथियों के कर कमलों द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा । उक्त जानकारी वीर सावरकर सामाजिक सांस्कृतिक एवं खेल संरक्षण समिति के सचिव मुकेश गुप्ता तथ्य धर्म संस्कृति समिति के संरक्षक नरेन्द्र भानु खण्डेलवाल द्वारा संयुक्त वक्तव्य जारी कर दी गयी है।

एडवोकेट हेमांगी अरोरा अध्यक्ष घोषित

भोपाल। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा नई यूनिट राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट की घोषणा मुख्य संरक्षण इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी द्वारा की गई। जिसमें भोपाल की रहने वाली हेमांगी अरोरा को मध्य प्रदेश की कमान सौंपी गई। प्रदेश मीडिया प्रभारी हर्षा ठाकुर ने बताया कि नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमांगी अरोरा ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारीगण को संबोधन करते हुए कहा कि वे संगठन के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करती हैं जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व उन पर विश्वास करके सोपा। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन संगठन में कार्य कर रही हैं और वह अभी तक प्रदेश में महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में दायित्व संभाल रही थी। साथ ही बताया कि राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट संगठन का उद्देश्य बताया कि जनसंख्या नियंत्रण कानून लाना, यूनिफॉर्म सिविल कानून तथा वक्फबोर्ड की पूर्ण समाप्ति सहित सनातन समाज के समक्ष उपस्थित तमाम चुनौतियों के समाधान हेतु सतत कार्य करना संगठन का मुख्य उद्देश्य होगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक बनाने गुणवत्ता पर बारीकी से ध्यान दें: सारंग

मंत्री श्री सारंग ने नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्रगति की समीक्षा की

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नाथू बरखेड़ा में अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक बनाने के लिये बारीकी से गुणवत्ता पर ध्यान दें। उन्होंने पार्किंग, कैफेटेरिया, वॉटर सप्लाई, रिंग रोड, फायर सेफ्टी, वॉटर हार्वेस्टिंग आदि की सुव्यवस्थित प्लानिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्लान में अस्थाई पार्किंग और सोलर प्लांट को भी शामिल करने को कहा। मंत्री श्री सारंग शुक्रवार को टी.टी. नगर खेल स्टेडियम में नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

आवागमन के लिये मल्टीपल गेट बनाएं: मंत्री श्री सारंग ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मल्टीपल गेट बनाने को भी कहा, जिससे आवागमन में आसानी हो। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक ही थीम पर साइनेज की व्यवस्था हो, इसके लिये एक ही कलर और एक ही फॉन्ट का उपयोग हो। मंत्री श्री सारंग ने ऑफिस स्पेस के लिये प्रॉपर व्यवस्था करने को भी कहा। मंत्री श्री सारंग ने पार्किंग तक पहुंच रोड बनाने और कनेक्टिविटी देने के निर्देश दिये।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मापदण्डानुसार निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्यों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

मंत्री श्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वॉटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों को तेज गति से करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन डिटेल्स का प्रस्तुतिकरण भी देखा और तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस सर्व-सुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तैयार होने से मध्यप्रदेश में खेलों के लिए एक नया आयाम स्थापित होगा। यहाँ के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण से लेकर प्रतियोगिताओं तक की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में मिलेंगी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मजबूती मिलेगी। बैठक में खेल संचालक श्री राकेश कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव, उप सचिव श्री अजय श्रीवास्तव सहित इंजीनियर्स, प्रोजेक्ट मैनेजर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मानसून पूर्व बाढ़ प्राकृतिक आपदा से पूर्व की तैयारी के संबंध में बैठक संपन्न

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को एडीएम श्री अंकुर मेश्राम की अध्यक्षता में मानसून पूर्व बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एडीएम श्री मेश्राम ने सभी संबंधित विभागों द्वारा बाढ़ आपदा के दौरान किए जाने वाले कार्यों और अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा उत्पन्न न हो, इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग अपनी-अपनी तैयारियाँ पूरी कर लें। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम का गठन कर हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। जिसके अंतर्गत प्राकृतिक आपदा की परिस्थितियों में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष नगर निगम कार्यालय एवं फायर कंट्रोल रूम, पीएचक्यू चौराहा दूरभाष क्रमांक-0755-2540220 / 2701401 / 254-2222 पर संपर्क कर सकते हैं। एडीएम श्री मेश्राम ने सभी मुख्य विभागों के अधिकारियों को जोड़कर आपदा प्रबंधन के लिए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान समय पर हो सके और संबंधित अधिकारी समय-सीमा में कार्यवाही कर सकें। पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित किया कि सभी छोटे- बड़े पुल-पुलियों की सूची तैयार कर लें। उन्होंने खनिज विभाग को निर्देशित किया कि खादानों एवं गहरे बॉटर बोडिज की सूची जिला स्तर को उपलब्ध कराएं। नगर निगम एवं नगर पालिका बैरसिया को नालों की साफ-सफाई का अभियान चलाकर मानसून पूर्व प्राकृतिक आपदा की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बाढ़ आने की स्थिति में अस्थाई रैन- बसेरे एवं राहत शिविरों का चिन्हांकन एवं अति आवश्यक सेवाओं की व्यवस्थाओं सुनिश्चित करने के साथ आवश्यक मदद के लिए एनजीओ, सामाजिक संस्थाएं, समाज सेवी नागरिक की सूची बनाकर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

तंबाकू का सेवन स्वयं न करें और दूसरों को भी जागरुक करें: महापौर

तंबाकू निषेध प्रतिज्ञा समारोह के तहत निगम कार्यालय में दिलाई शपथ

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा है कि तंबाकू हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है इसलिए तंबाकू के सेवन से स्वयं भी बचें और अन्य लोगों में भी तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर जागरूकता उत्पन्न करें। यह विचार महापौर श्रीमती मालती राय ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश भर में एकसाथ आयोजित तंबाकू निषेध प्रतिज्ञा समारोह से जुड़ते हुए व्यक्त किए। महापौर श्रीमती राय ने इस अवसर पर तंबाकू का सेवन न करने की शपथ भी दिलाई। महापौर श्रीमती मालती राय शुक्रवार को आईएसबीटी स्थित महापौर कार्यालय में तंबाकू निषेध प्रतिज्ञा समारोह-2025 से जुड़ी और तंबाकू का सेवन न करने की शपथ भी दिलाई। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि तंबाकू को न कहें और एक स्वास्थ्य नशा मुक्त भविष्य की दिशा में आगे बढ़े। श्रीमती राय ने आव्हान किया कि नागरिक स्वयं भी तंबाकू का सेवन न करें और अपने आसपास के लोगों को भी तंबाकू के दुष्प्रभाव की जानकारी देते हुए तंबाकू का सेवन न करने हेतु जागरूक करें।

अतिक्रमण : निगम अमले ने अवैध रूप से बने गेट, कमरे और शेड हटाए, सामान किया जब्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यवाही में सहयोग करते हुए कोलार सलैया क्षेत्र के वचन मैरिज गार्डन में अवैध रूप से निर्मित 02 गेट, 02 कमरे, 01 बड़ा शेड जेसीबी के माध्यम से तोड़ने की कार्यवाही की साथ ही मनुआभान टेकरी के समीप पुल के नीचे बंजारों द्वारा अवैध रूप से लगाये गए 20 तंबू हटाए। निगम अमले ने शहर के अन्य क्षेत्रों की सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर लगाये गये ठेले, गुमठी, टपरा, पिंजरे आदि को हटाया और बड़ी गुमठियां, तखत, कैरेड, इलेक्ट्रिक कांटे के अलावा टेबिल, कुर्सी, बैंच, प्रेम, बच्चों की साइकिल सहित 1 ट्रक सामान जप्त करने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शुक्रवार को जहांगीराबाद, मंगलवारा, इतवारा, रॉयल मार्केट, जीवनरेखा हास्पिटल, बाग फरहत अफ्जा, कल्याण नगर 80 फिट रोड, नरेला जोड़, एयरपोर्ट रोड, बीडीए कालोनी, मनुआभान टेकरी ब्रिज के नीचे, प्रभात चौराहा, कैलाश नगर, डिपो चौराहा, माता मंदिर, नेहरू नगर, लिंक रोड नंबर 01, 02 तथा 03, बागसेवनिया, जेल रोड, कोलार सलैया, रूद्राक्ष कस्तूरी कालोनी, एक्सटॉल कालेज आदि सहित अन्य क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए निगम की नियमित कार्यवाही के तहत मनुआभान टेकरी के समीप पुल के नीचे बंजारों द्वारा अवैध रूप से लगाये गए 20 तंबू हटाए साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर लगाये गये ठेले, गुमठी, टपरा, पिंजरे आदि को हटाया और 02 बड़ी गुमठियां, 01 तखत, 05 कैरेड, 01 इलेक्ट्रिक कांटे के अलावा टेबिल, कुर्सी, बैंच, प्रेम, बच्चों की साइकिल सहित विभिन्न प्रकार का 01 ट्रक सामान जप्त करने की कार्यवाही की। इसके अतिरिक्त निगम के अतिक्रमण निरोधी दस्ते ने भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यवाही में सहयोग करते हुए कोलार सलैया क्षेत्र के वचन मैरिज गार्डन में अवैध रूप से निर्मित 02 गेट, 02 कमरे, 01 बड़ा शेड जेसीबी के माध्यम से तोड़ने की कार्यवाही की। निगम अमले ने पुन: अतिक्रमण न करने की समझाइश दी और चेतावनी भी दी यदि पुन: अतिक्रमण किया पाया जाता है तो और अधिक कठोर कार्यवाही की जायेगी।

मप्र में हरियाली के लिए 7 शहरों के बीच बसाया जाएगा घना जंगल, सरकार का बड़ा प्लान

प्रत्येक पार्क में 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में शहरों के बीच एक घना वन क्षेत्र विकसित करने की योजना बनाई गई है, जिसे 'ऑक्सीजन पार्क' के नाम से जाना जाएगा। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने व्यापक योजना तैयार की है। यह पहल नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत क्रियान्वित की जाएगी। नगरीय विकास और आवास विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रत्येक पार्क में 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इन हजारों पेड़ों से लोगों को भरपूर मात्रा में शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी, इसी कारण इसका नाम 'ऑक्सीजन पार्क' रखा गया है। प्रारंभिक चरण में प्रदेश के सात शहरों में ऐसे वन विकसित किए जाएंगे, साथ ही पहले से मौजूद पार्कों को भी अपग्रेड कर ऑक्सीजन पार्क में बदला जाएगा। अब तक

देश में केवल तीन राज्यों–गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश–में ऐसे पार्क विकसित किए गए हैं। गुजरात के अहमदाबाद में देश का पहला ऑक्सीजन पार्क केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पिछले वर्ष उद्घाटित किया गया था। इसके बाद राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने भी इस पहल को अपनाते हुए अपने-अपने राज्यों में ऐसे पार्क विकसित किए। अब इसी श्रृंखला में मध्यप्रदेश शामिल हो रहा है, जहां सात शहरों के बीच घना जंगल बसाने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उप संचालक बीडी भूमरकर के अनुसार एमपी की राजधानी भोपाल सहित इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना और उज्जैन में ऑक्सीजन पार्क तैयार किए जाएंगे। एनसीएपी के तहत इन 7 शहरों को चुना गया है। ऑक्सीजन पार्कों में हजारों पौधों का रोपण किया जाएगा, जिनमें औसतन 60 हजार पेड़ लगाए जाने की योजना है। बड़े पार्क क्षेत्रों में यह संख्या दोगुनी तक हो सकती है।

इससे आसपास के क्षेत्रों में ऑक्सीजन स्तर में निरंतर वृद्धि होगी। वर्तमान में मौजूद पार्कों को भी ऑक्सीजन पार्क में बदलने की योजना पर विचार किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शहरों में प्रदूषण के साथ-साथ तापमान में भी तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बढ़ती गर्मी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। ऐसे में ऑक्सीजन पार्क न केवल वातावरण को ठंडा करने में मदद करेंगे, बल्कि शहरी स्वच्छता में भी सुधार लाएंगे।

सप्रे संग्रहालय की डिजिटाइजेशन परियोजना की राज्यपाल ने की सराहना

भोपाल। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की महत्वाकांक्षी परियोजना– 20,01,994 पृष्ठों का डिजिटाइजेशन, 10 के.वी. के सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना और सप्रे संग्रहालय में संगृहीत राष्ट्रीय बौद्धिक धरोहर की अद्यतन संदर्भिका की वेबसाइट के निर्माण– के पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया है। राज्यपाल ने सप्रे संग्रहालय को शुभकामनाएं दीं। 23 अक्टूबर, 2023 को माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इस परियोजना का शुभारंभ किया था। सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक ने इस परियोजना के लिए सीएसआर निधि से धनराशि उपलब्ध कराई है। यद्यपि सप्रे संग्रहालय में 5 करोड़ पृष्ठों से अधिक संदर्भ सामग्री संगृहीत है, लेकिन प्रथम चरण में 27 लाख उन पत्र-पत्रिकाओं और अन्य दस्तावेजों को डिजिटाइज़ किया गया है जो जर्जर अवस्था में हैं,अथवा ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शोधार्थियों और अन्य जिज्ञासुओं के लिए अब यह दुर्लभ संदर्भ संपदा कंप्यूटर स्क्रीन पर अध्ययन के लिए उपलब्ध है। इनमें से सात लाख पृष्ठों का डिजिटाइजेशन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र और मध्यप्रदेश जनसंपर्क के सहयोग से हुआ है।ज्ञान तीर्थ सप्रे संग्रहालय, भोपाल इस पूरी आयोजना के स्वप्नदृष्टा सप्रे संग्रहालय के संस्थापक श्री विजयदत्त श्रीधर ने 23 मई को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से भेंटकर परियोजना की सफल परिणति से अवगत कराया। डिजिटाइज्ड दस्तावेजों की संदर्भिका भी राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल को बताया गया कि सप्रे संग्रहालय इसे कर्तव्य मानता है कि जिन अतिविशिष्ट विभूति के हाथों से परियोजना का सूत्रपात कराया गया है, उन्हें पूर्णता से भी अवगत कराया जाए। राज्यपाल ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए सप्रे संग्रहालय को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। सप्रे संग्रहालय के निदेशक अरविन्द श्रीधर भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले को दिलाई तंबाकू नियंत्रण की शपथ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा से वर्चुअल माध्यम से राज्यभर के स्वास्थ्य अमले को तंबाकू नियंत्रण की शपथ दिलाई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अपने संदेश में कहा कि तंबाकू का सेवन मुंह के कैंसर सहित अनेक जानलेवा बीमारियों का मुख्य कारण है। तंबाकू नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में पूरे राज्य में जनजागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें आज की पीढ़ी को नशे की प्रवृत्तियों से बचाकर स्वस्थ और समर्थ राष्ट्र की नींव रखनी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे तंबाकू और नशे के अन्य रूपों के दुष्प्रभावों के प्रति समुदाय को जागरूक करें, ताकि यह सामाजिक रूप से अस्वीकार्य बने। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा और समृद्धि का सवाल है। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य अमले को यह शपथ दिलाई कि वे न केवल स्वयं तंबाकू और नशे से दूर रहेंगे, बल्कि समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

मंत्री पटेल ने उप राष्ट्रपति धनखड़ के 26 मई को नरसिंहपुर प्रस्तावित भ्रमण की तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी के पास होने वाले कृषि उद्योग समागम के कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ 26 मई को कृषि उद्योग समागम में शामिल होंगे। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड स्थल, पौधरोपण स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, ग्रीन रूम, मंच, इन्वेस्टर्स मीट, बैठक व्यवस्था आदि का मुआयना किया। उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये। नरसिंहपुर में 26 मई को उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपालमंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कृषि उद्योग समागम का आयोजन होगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री पटेल ने कहा कि एशिया महाद्वीप की सबसे ज्यादा उपजाऊ जमीन नरसिंहपुर जिले में है और यहां खेती भी अच्छी होती है। उन्होंने कहा कि हमारा अगला कदम प्रोसेसिंग की तरफ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिवसीय कृषि उद्योग समागम के आयोजन के लिए नरसिंहपुर जिले को चुना, मैं उनका आभारी हूं। इस मेले में किसान भाईयों को उन्नत खेती करने के तरीके, नई तकनीक एवं मार्गदर्शन दिया जायेगा। 26 से 28 मई तक समागम के तीन दिवसों में इन्वेस्टर्स और जो अतिथि होंगे और आपस में बातचीत करेंगे। इस अवसर पर विधायक श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, सहित अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पेंचक सिलाट खिलाड़ी अजय कालिया और महेन्द्र स्वामी ने जीते 1-1 स्वर्ण पदक

भोपाल। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स का आयोजन घोघला द्वीप में किया जा रहा है। जिसमें मध्यप्रदेश के 39 खिलाड़ी और 11 आफिशियल्स सहित कुल 50 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहे है। मध्यप्रदेश के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने अब तक 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक अर्जित किये है। शुक्रवार को आयोजित पेंचक सिलाट के टेण्डिंग (फाइट) इवेन्ट में मध्यप्रदेश के अजय और महेन्द्र ने 1-1 स्वर्ण पदक जीते हैं। मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों स्वर्ण पदक विजेताओं अजय और महेन्द्र को बधाई दी है। उन्होंने पेंचक सिलाट में 5 पदक अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 117 करोड़ की लागत के 50 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

लहार में स्थापित होगा नया औद्योगिक केंद्र

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लहार में नया औद्योगिक केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही मछण्ड और असवार क्षेत्र को नगर परिषद बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान और कृषि हित में अनेक निर्णय लिए गए हैं। किसान को फसलों का उचित दाम मिले और फसल बर्बाद न हो, इसके लिए प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में महिला स्व-सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने शौर्य की गाथा लिखी है। भिंड के घर-घर से निकले जवान मां भारती की रक्षा में सीमाओं पर तैनात हैं। चंबल की धरती के सपूत लंबे समय से बॉर्डर पर दुश्मन का खात्मा करते आ रहे हैं। लहार का गौरवशाली अतीत महाभारत काल से भी जुड़ता है। ऐसा माना जाता है कि लहार में ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र रचते हुए लाक्षागृह बनवाया गया था। भिंड वो धरती है, जहां कभी किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता है। वो दिन लद गए जब चंबल क्षेत्र में दस्युओं का डर दिखाकर लोगों पर अत्याचार होते थे। अब भिंड की जनता ने परिवर्तन का रास्ता चुना है। मध्यप्रदेश सरकार चंबल क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है। यहां जनता का प्रेम और आत्मीयता से मन भाव-विभोर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का 300वां जयंती वर्ष चल रहा है। भिंड जिले के आलमपुर का कॉलेज अब लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड में विकास को गति प्रदान करते हुए 117 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 33 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 17 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का सिंचित क्षेत्र वर्तमान में 55 लाख हेक्टेयर है, इसे निकट भविष्य में 100 लाख हेक्टेयर तक लेकर जाएंगे। सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। राजस्थान के साथ पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी परियोजना को 40 साल बाद मंजूरी मिली है। लगभग 70 हजार करोड़ की लागत से इस परियोजना का कार्य जारी है। इसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को पूरा करते हुए केंद्र सरकार की सहायता से केन-बेतवा लिंक परियोजना की नींव रखी गई है। बुंदेलखंड के कई जिले इससे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान की समृद्धि और जीवन सरल बनाने के लिए 5 रुपए में स्थायी बिजली कनेक्शन और 30 लाख सोलर पंप प्रदान करने की शुरुआत की गई है। किसानों को सिर्फ 10 प्रतिशत कीमत पर सोलर पंप मिल रहे हैं। किसानों को सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। हर महीने माताओं-बहनों को लाड़ली बहना योजना की राशि भी मिलती रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। इनमें राहवीर योजना शामिल है। अब सड़क हादसों के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश में गंभीर बीमारियों के पीड़ितों को एयर एम्बुलेंस का लाभ दिया जा रहा है। अब गरीब के परिवार के किसी व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो जाए तो सरकार ने पार्थिव शरीर घर पहुंचाने के लिए निःशुल्क शव वाहन की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किये। । नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश को स्वर्णिम राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लहार क्षेत्र की जनता को अनेक विकास कार्यों की सौगात दी है। लहार विधायक श्री अमरीश शर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधायक श्री नरेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री श्री लाल सिंह आर्य एवं पूर्व मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लॉनर्स मध्यप्रदेश चैप्टर की नई समिति गठित

भोपाल। भोपाल में इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लॉनर्स मध्यप्रदेश चैप्टर की नई समिति का गठन किया गया है। यह समिति वर्ष 2025 से 2027 तक कार्य करेगी। श्री विष्णु खरे अध्यक्ष पद के लिए, डॉ. के.के. घोटे उपाध्यक्ष, श्री सुमित गोठी सचिव एवं श्री शुभ्रांशु उपाध्याय कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गये हैं। विष्णु खरे वर्तमान में ज्वाइन डायरेक्टर मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश के पद पर पदस्थ हैं। मध्यप्रदेश चैप्टर में प्रदेश के बेस्ट प्लानर्स सदस्य के रूप में शामिल हैं।

हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूल द्वितीय परीक्षा आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल ने सत्र 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि में वृद्धि की है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिये अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिये अब 25 मई 2025 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों की द्वितीय परीक्षा के लिये 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर पेंच टाइगर रिजर्व में नया अभियान बाघदेव शुरू

भोपाल। सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस से विश्व बाघ दिवस तक की अवधि के लिये एक नया अभियान बाघदेव प्रारंभ किया गया है। बाघदेव को आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देवता के रूप में पूजा जाता है और उनसे मन्नतें मांगी जाती हैं। यह परम्परा आज भी प्रचलित है। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई को जबकि बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाया जाता है। उप संचालक पेंच टाइगर रिजर्व रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि बाघदेव अभियान में बफर क्षेत्र की सभी 130 ईको विकास समितियों में मिट्टी के बाघ बनाये जायेंगे। ईको विकास समितियों के सदस्य एवं ग्राम पंचधार के मिट्टी के बर्तन और खिलौने बनाने वाले विशेषज्ञ कुम्हार भी सहायता करेंगे। पेंच प्रबंधन द्वारा समिति सदस्यों को पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया जायेगा। ग्रामीणजन मिट्टी के बाघ बनाकर उससे प्रकृति के इन तत्वों को वरदान के रूप में लेते हैं। मिट्टी के बाघों को पार्क प्रबंधन द्वारा एकत्रित करा कर भट्टी में पकाया जाता है, जिन्हें खबासा में निर्माणाधीन स्टील स्क्रेप से बन रही बाघ कलाकृति के पास स्थापित कर नये आस्था स्थल में संजोया जायेगा। पेंच प्रबंधन का प्रयास है कि इस वर्ष टेराकोटा (मिट्टी) की कलाकृति बनायी जाये। उन्होंने बताया कि इस अभियान में ईको विकास समितियों के साथ पर्यटक एवं अन्य बफर क्षेत्र के बाहर के रहवासी भी जुड़ सकते हैं और अपने हाथ से बाघ बनाकर उसमें अपना नाम लिखकर बाघदेवसे मनोकामना मांग सकेंगे, इससे बाघ संरक्षण में समुदायों के भावनात्मक जुड़ाव के साथ ही पंचधार के मूर्तिकारों के लिये रोजगार के नये अवसर भी प्राप्त होंगे।

स्वसहायता समूह से जुड़कर बनाई अपनी पहचान

भोपाल। अलीराजपुर के ग्राम जाम्बू खेड़ा निवासी श्रीमती सेल बाई दीदी की जिंदगी कभी गरीबी और संघर्ष की कहानी थी। वर्षा आधारित खेती और मजदूरी के भरोसे चलने वाला उनका परिवार मुश्किल से 3 से 4 हजार रुपये मासिक कमाता था। पति और चार बच्चों के साथ जीवन बेहद कठिन था। जरूरतों के लिए कभी रिश्तेदारों से मदद मांगनी पड़ती, तो कभी साहूकारों के ऋण लेकर सालों तक चुकाना पड़ता था। वर्ष 2017 में जब राज्य आजीविका मिशन के तहत स्वसहायता समूह गठन के विषय में उनके फलिया में एक बैठक हुई। बैठक में उन्हें जानकारी मिली कि कैसे स्व-सहायता समूह बनते हैं, कौन जुड़ सकता है और क्या लाभ होते हैं। उन्होंने यह सब परिवार को बताया और सभी की सहमति से बाबा देब आजीविका समूह से जुड़ गई। यहीं से उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत हुई। स्व-सहायता समूह में जुड़ने के बाद उन्हें कृषि कार्यों का प्रशिक्षण मिला, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन की तकनीक सीखी। सरकारी योजनाओं की जानकारी मिली, बैंक से जुड़ाव बढ़ा और धीरे-धीरे आत्म-निर्भरता की ओर कदम बढ़ने लगे। समूह से मिले ऋण की मदद से उन्होंने पहले खाद-बीज खरीदे, फिर बैल, सिंचाई पंप, पाइप और सिंचाई के अन्य साधन जुटाए। खेती में सुधार हुआ और दो फसलें उगाने लगीं। धीरे-धीरे उन्होंने भूमिगत पाइप लाइन लगवाई, जिससे सिंचाई क्षेत्र बढ़ा और आमदनी में उल्लेखनीय इज़ाफा हुआ। फिर पति के लिए फर्नीचर निर्माण कार्य के लिए मशीन खरीदी, जिससे घर पर ही फर्नीचर का काम शुरू हुआ। आज उनका परिवार सब्जी की खेती, फर्नीचर निर्माण और खेती के माध्यम से हर महीने 20 से 22 हजार रुपये कमाता है। बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त हो रही है। एक बेटा तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर गया है। कच्चे घर से अब चार कमरों का पक्का मकान बना है ङ्क प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से गैस कनेक्शन भी मिला। अब सेल बाई दीदी सिर्फ एक गृहणी नहीं हैं, बल्कि अपने परिवार की मजबूत आधारशिला हैं। गांव में पहचान बनी है, निर्णयों में उनकी भागीदारी है।

प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 का प्रभावी क्रियान्वयन सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने का लक्ष्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) के अंतर्गत नगरों में गतिविधियां निरंतर जारी हैं। मिशन के तहत सभी गतिविधियां एक अक्टूबर 2026 तक संचालित होंगी। इसके लिये लक्ष्य भी तय कर लिये गये हैं। इन गतिविधियों में प्रमुख रूप से उपयोगी जल के प्रबंधन के साथ स्वच्छता व्यवहारों को संस्थागत स्वरूप प्रदान करते हुए उन्हें व्यवहारिक बनाना है। आगामी वर्षों में प्रदेश के शहरों को कचरा मुक्त बनाना, खुले में शौच से मुक्ति, मानदंडों ओडीएफ+, ओडीएफ++, वॉटर+ को स्थायी बनाये रखना, इसी के साथ स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिये नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सभी कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत सुनिश्चित की जा रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत प्रदेश में स्त्रोत पृथक्कीकरण, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट सहित कचरे के सभी भागों का पूर्ण प्रसंस्करण, प्लास्टिक अपशिष्?ट और सिंगल यूज प्लास्टिक को चरणबद्ध रूप से कम करना और संपूर्ण लीगेसी वेस्ट को उपचारित करते हुए सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मिशन में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि सीवर्स, सेप्टिक टैंक की सफाई में मानव श्रम को सीधे रूप से रोका जाये और मशीनों के माध्यम से सफाई की व्यवस्था की जाये। शहरी क्षेत्रों में उपयोगी जल को जल संरचनाओं में जाने से पूर्व उपचार और पुर्न-उपयोग के लिये सीवेज ट्रीटमेंट इकाई, नालों में इंटरसेप्शन व डायवर्जन आदि सुविधाओं का विकास करना प्रमुख है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) में मध्यप्रदेश में संचालित योजनाओं के लिये करीब 4 हजार 914 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें करीब 2200 करोड़ रूपये की राशि केन्द्र सरकार की ओर से और 1800 करोड़ रूपये राशि राज्य सरकार के अंशदान के रूप में होगी।

जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधकों के लिए साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

भोपाल । मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (एमपी-सर्ट) द्वारा साइबर सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधकों (डीईजीएम) के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल पलाश रेसिडेंसी भोपाल में शुक्रवार को किया गया। यह कार्यशाला विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे एवं एमपी-सर्ट के निदेशक श्री गुरु प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यशाला में राज्य के सभी 55 जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधकों ने भाग लिया, जिन्हें अपने-अपने जिलों के लिए मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। कार्यशाला डीईजीएम को नवीनतम साइबर रणनीतियों, उपकरणों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित हुई। जिससे साइबर सुरक्षा की जड़ें जिला स्तर तक मजबूत हो सके। विशेष सत्र में भोपाल के 11वीं के छात्र शुभांक सिंगहाई, यंगेस्ट एथिकल हैकर ने सहभागिता की जिसमें उन्होंने रियल-टाइम हैकिंग का डेमो प्रस्तुत करके यह स्पष्ट किया कि साइबर सुरक्षा आज के समय में कितनी आवश्यक है। उनका व्यावहारिक प्रदर्शन उपस्थित डीजीईएम के लिए अत्यंत प्रभावशाली एवं शिक्षाप्रद रहा। कार्यशाला में संयुक्त निदेशक, एमपी-सर्ट एवं पुलिस अधीक्षक एटीएस श्री वैभव श्रीवास्तव ने सत्र को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार साइबर अपराधी मानवीय कमजोरियों जैसे लालच, आलस्य और डर का फायदा उठाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी करते हैं। श्री श्रीवास्तव ने फिशिंग ईमेल, फर्जी सिम कार्ड ऑफर, आधार आधारित पहचान की चोरी और ओटीपी धोखाधड़ी जैसे मामलों के उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड इस्तेमाल करने, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्रिय करने, संदिग्ध लिंक या कॉल से बचने और ओटीपी या कार्ड विवरण कभी भी साझा न करने की सलाह दी। यह कार्यशाला राज्य सरकार की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों को संभावित खतरों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है।

संपादकीय

‘लाल आतंकवाद’ की सांसें तभी उखड़ गईं,

नक्सलवाद अर्थात ‘लाल आतंकवाद’ के ताबूत में लगभग आधी कील घुसेड़ दी गई है। ‘लाल आतंकवाद’ की सांसें तभी उखड़ गईं, जब सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव, नक्सलियों की रीढ़ और ऑपरेशनल सरगना गगन्ना उर्फ बासव राजू उर्फ नंबाल्ला केशव राव उर्फ दारापू नरसिम्हा रेड्डी को ढेर कर दिया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। नक्सलवाद के खिलाफ करीब तीन दशकों की लड़ाई में बासव महासचिव स्तर का पहला नक्सली था। यह सुरक्षा बलों की शानदार, साहसिक, रणनीतिक सफलता और उपलब्धि है। गगन्ना अप्रैल, 2010 के उस दंतेवाड़ा हमले का ‘मास्टरमाइंड’ था, जिसमें नक्सलियों ने सीआरपीएफ के 75 जवानों को ‘शहीद’ कर दिया था। छत्तीसगढ़ की ही झिरम घाटी में 2013 में राज्य कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के नरसंहार की रणनीति भी बासव ने ही तैयार की थी। बेशक वह खूंखार नक्सली था। वह नक्सलियों के मिलिट्री कमीशन का संचालन करता था, लिहाजा बस्तर के जंगलों में सुरक्षा बलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले बूबी ट्रैप और आईईडी भी गगन्ना ने ही तैयार किए थे। वह आंध्रप्रदेश के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से प्रशिक्षित बीटेक था, लिहाजा उसने नक्सलियों के हमलों को भी तकनीकी आयाम दिए। बहरहाल ‘ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट’ का उपसंहार, अंततः, सफल रहा, क्योंकि नक्सलियों का महासचिव मार दिया गया, एक ही दिन में 27 नक्सली भी ढेर किए गए, तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 84 अन्य नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। सितंबर, 2023 से 20 मई, 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ में ही 401 नक्सली मारे गए, जबकि 1355 ने आत्मसमर्पण किया। अब नक्सलवाद की मौजूदगी और सक्रियता देश के 7 राज्यों के 18 जिलों तक ही सिमट कर रह गई है। यह मौजूदगी 9 राज्यों के 38 जिलों में होती थी।

लिहाजा हम कह रहे हैं कि ‘लाल आतंकवाद’ के ताबूत में लगभग आधी कील गाड़ दी गई है। संपूर्ण खात्मा अभी कुछ शेष है, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का अस्तित्व खत्म करने के जिस लक्ष्य को दोहराते रहते हैं, वह संभव लगता है। दरअसल यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़ के उस घने जंगल-अबूझमाड़-में सफलता के साथ किया गया है, जहां दशकों तक सरकारी अधिकारी नहीं गए अथवा जाने का साहस नहीं कर पाए और विकास की योजनाएं तो महज एक सपना थीं। नक्सलवादी स्कूलों और पक्की सडक़ों के भी खिलाफ रहे हैं और देश की संसदीय व्यवस्था के भी घोर विरोधी रहे हैं। चारु मजूमदार के नेतृत्व में नक्सलवाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी शहर से जिस मकसद के साथ शुरू किया गया था, वह लगातार पीछे छूटता गया। किसानों और भूमिहीनों में समान जमीन का वितरण, बंटवारा नहीं हो सका, लेकिन यह आंदोलन पहले वामपंथी उग्रवाद बना और फिर खास किस्म के आतंकवाद में तबदील होता गया। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का मानना था कि नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती रहा है। यह कश्मीर से भी बड़ी और भयावह चुनौती है। ऐसा ही मौजूदा गृहमंत्री अमित शाह का मानना है, लिहाजा नक्सलवाद का समूल नाश करने की रणनीति पर विचार किया गया। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान नक्सलवाद देश के करीब 160 जिलों में मौजूद और सक्रिय था। तत्कालीन योजना आयोग की एक रपट में उल्लेख किया गया था कि नक्सलियों की सालाना आमदनी 1200 करोड़ रुपए के करीब थी। वह अफीम की खेती करते थे, लिहाजा उनके पास आधुनिकतम हथियार और विस्फोटकों की सहज आपूर्ति होती थी। अब भी ऑपरेशन में जो नक्सली मारे गए हैं, उनके आधुनिक हथियार और विभिन्न विस्फोटक सुरक्षा बलों ने बरामद किए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में न तो निवेश होता था और न ही विकास के काम गति पकड़ पाते थे, नतीजतन वे इलाके और भी पिछड़ते चले गए। यह नक्सलियों की रणनीति भी थी। असमान सामाजिक-आर्थिक हालात, शोषण, अपर्याप्त रोजगार, भूमि सुधारों के अभाव आदि ऐसे कारण थे, जिनसे नक्सलवाद पनपा और फैलता चला गया। अब उसकी जड़ों में भी कील गाडऩे का समय आ गया है।

शुभ चिंतन, उपवास, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा थायराइड का रामबाण इलाज

विश्व थायराइड दिवस- थायराइड को प्राणायाम व योग के माध्यम से जड़ से आसानी से दूर किया जा सकता है

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि शुगर की तरह थायरायड भी महामारी का रुप लेता जा रहा है। यह बीमारी महिलाओं में अधिकतर देखने को मिलती है। लेकिन इस खतरनाक रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है अगर हम नियमित योग करें। अगर आपके बाल गिरने लगे और स्किन ड्राई, हमेशा चिड़चिड़े रहना जैसे संकेत दिखे तो आप साइलेंट किलर थायराइड के शिकार हो सकते हैं। अगर कम उम्र में ही हर वक्त थकान रहे, कम खाने के बावजूद तेजी से वजन बढ़ रहा है, कम उम्र में ही बुढ़ापे के लक्षण दिखने लगें तो समझ लीजिए सेहत ठीक नहीं है। ऐसे मरीजों को लाइफस्टाइल और खानपान का विशेष ध्यान रखना होता है। दरअसल, खराब दिनचर्या और गलत खानपान इसका बड़ा कारण है। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व थायराइड दिवस हर साल 25 मई को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य थायराइड के महत्व और रोग की रोकथाम व उपचार के बारे में जागरूक करना है। पुरुषों के मुकाबले महिलाएं थायराइड का ज्यादा शिकार होती हैं। देश में हर 10वां व्यक्ति बीमारी से जूझ रहा है। 35 साल की उम्र से थायराइड की जांच शुरू करा देनी चाहिए और प्रत्येक पांच साल बाद नियमित जांच करानी चाहिए। ताकि इस गंभीर बीमारी से बचाव किया जा सकें।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि थायराइड रोग निवारण के लिए योग विषेशज्ञ के मार्गदर्शन में योग अभ्यास करें। योग करने से न सिर्फ शरीर स्वास्थ्य होता है, बल्कि मन भी शांत रहता है। योग कई बीमारियों से लड़ने के लिए फायदेमंद माना जाता है।थायराइड के लिए योग काफी कारगर हो सकता है। थायराइड से छुटकारा पाने के लिए सूर्य नमस्कार, लाभदायक होता है। इसके करने से पूरे शरीर एनर्जी से भरा रहता है। इसके साथ ही हृदय, फेफड़ा, किडनी को स्वस्थ्य रखने में सहायक तो होता ही है, साथ में थायराइड से छुटकारा भी दिलाता है। सर्वांगासन, शीर्षासन, हलासन,भुजंगासन, चक्रासन, कन्धरासन, विपरीत करनी आसन, मत्सयासन, मार्जरि आसन, सुप्त वज्रासन, उष्ट्रासन, ग्रीवा संचालन एवं भस्त्रिका प्राणायाम, उज्जायी प्राणायाम से लाभ मिलता हैं। कुंजल क्रिया, शंख प्रक्षालन, थायराइड के लिए हस्त मुद्रा शंख मुद्रा, उदान मुद्रा भी बहुत उपयोगी है। थायराइड से बचने के लिए , सिंहासन और उज्जायी प्राणायाम करें । हाई ब्लड प्रेशर, स्लिपडिस्क, स्पॉण्डिलाइटिस एवं हृदयरोगी अभ्यास धीरे धीरे करें ।

आजकल थायराइड रोग आम होता जा रहा है। इसमें सबसे प्रमुख वजह है, प्रदूषण, कीटनाशक का सब्जियों और फसलों में प्रयोग, दवाओं के साइड इफ़ेक्ट, बेवजह आयोडीन युक्त नमक का प्रयोग, तनाव एवं अनियमित जीवनशैली, जंक फूड का अत्यधिक सेवन। अधिकांश को थायराइड की समस्या किसी अन्य बीमारी के समय होने वाली जांच से पता चलती है। यह पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कई गुना अधिक होती है। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को मोटापा, तनाव, अवसाद, बांझपन, कोलेस्ट्राल, आस्टियोपोरोसिस आदि परेशानियां हो सकती हैं।

थायराइड क्या है – थायराइड शरीर का एक प्रमुख एंडोक्राइन ग्लैंड है जो तितली या कांचनार की पत्ती के आकार की होती है एवं गले में स्थित है। इसमें से थायराइड हार्मोन का स्त्राव होता है जो हमारे मेटाबॉलिज्म (चयापचय) की दर को संतुलित करता है। थायराइड हार्मोन के कम या ज्यादा स्त्राव होने से अनेक शारीरिक परेशानियां होती हैं। थायराइड की समस्या भी दो प्रकार की होती है, पहली हाइपोथायराडिज्म एवं दूसरी हायपरथायराडिज्म ।

हाइपोथायराडिज्म में थायराइड ग्लैंड कम सक्रिय होती है जिससे शरीर में आवश्यकता के अनुसार टी 3 व टी 4 हार्मोन नहीं पहुंच पाता है। इस बीमारी की स्थिति में वजन में अचानक वृद्धि हो जाती है जबकि भूख कम लगती है और ठंड बहुत महसूस होती है। कब्ज होने लगता है। आंखें सूज जाती हैं। नींद अधिक आती है। मासिक चक्र अनियमित हो जाता है। त्वचा सूखी व बाल बेजान होकर झड़ने लगते हैं। सुस्ती के साथ ही पैरों में सूजन व ऐंठन की शिकायत होती है। इनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। रोगी तनाव व अवसाद से घिर जाते हैं और बात-बात में भावुक हो जाते हैं। जोड़ों व मांसपेशियों में दर्द होता है। चेहरा सूज जाता है। आवाज रूखी व भारी हो जाती है।

हायपरथायराडिज्म में थायराइड ग्लैंड बहुत ज्यादा सक्रिय हो जाती है और टी 3, टी 4 हार्मोन अधिक मात्रा में निकलकर रक्त में पहुंचता है। इस स्थिति में वजन अचानक कम हो जाता है। अत्यधिक पसीना आता है। ये रोगी गर्मी सहन नहीं कर पाते। इनकी भूख बढ़ होती है। निराशा हावी हो जाती है। हाथ कांपते हैं और आंखें उनींदी रहती हैं। धड़कन बढ़ जाती है। नींद नहीं आने की शिकायत और दस्त होते हैं। मासिक रक्तस्त्राव ज्यादा एवं अनियमित हो जाता है। गर्भपात के मामले सामने आते हैं। थायराइड के दोनों प्रकार में रक्त की जांच की जाती है। रक्त में टी 3 , टी 4 एवं टी एस एच लेवल में सक्रिय हार्मोन्स का लेवल जांच किया जाता है।

थायरॉइड की गड़बड़ी से मेटाबॉलिज्म धीमा होता है। हालांकि थायरॉइड (हाइपर/हाइपो) में वजन बढ़ने के साथ घटता भी है। यदि वजन में फर्क के साथ-साथ थकान, बाल झड़ना, त्वचा में रूखापन हो, तभी जांच कराएं। महिलाओं में पुरुषों की तुलना में धायरॉइड से जुड़े विकार 8 गुना तक अधिक पाए जाते हैं। इसके पीछे हॉर्मोनल बदलाव, जैसे मासिक धर्म, गर्भावस्था और मेनोपॉज अहम कारण हैं। आयोडीन युक्त नमक ने गॉइटर जैसी बीमारियों को कम किया है पर यह ऑटोइम्यून थायरॉइड से सुरक्षा नहीं देता। फिर भी आधा चम्मच सफेद आयोडीन युक्त नमक खाना फायदेमंद है। थायरॉइड, हामोंन सिरोटोनिन और डोपामिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। खासकर महिलाओं में यह डिप्रेशन, चिंता, चिड़चिड़ापन, भूलने की बीमारी और एकाग्रता की कमी का कारण भी बन सकता है। थायरॉइड का असर केवल गर्दन या गले तक सीमित नहीं हैं। इसके गुप्त लक्षण होते हैं। वयस्कों में डिप्रेशन, थकान, याददाश्त कमजोर, महिलाओं में अनियमित पीरियड्स। बुजुर्गों में नींद की गड़बड़ी, अचानक दिल की धड़कनों में गड़बड़ी। बच्चों मे धीमा विकास, पढ़ाई में प्रदर्शन गिरना। शहरी जीवनशैली में तनाव, देर रात तक जागना, जंक फूड, प्रदूषण और फिजिकल इनए?क्टिविटी काफी हद तक शामिल है। यह सभी आदतें थायरॉइड को गहराई से प्रभावित कर रही है। खासकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले लोगों में हार्मोनल असंतुलन और स्लीप साइकल की गड़बड़ी आम है। खाना बनाते समय सफेद आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करें। नीद की गुणवत्ता और तनाव पर ध्यान रखें। सूरजमुखी के बीज (सेलेनियम) व कद्दू के बीज, मसूर दाल (जिंक)फायदेमंद। हर तिमाही में ञ्3, ञ्4 व ञ्स॥ जांच करवाएं।

योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर विशेष बताया कि योग का भविष्य अत्यन्त महान् और दिव्य है। आगामी सदी में योग समाज के उत्थान में सर्वप्रमुख भूमिका निभायेगा।

भारतीय नारी सबपे भारी

23 मई, 1984.. ये सिर्फ़ एक तारीख नहीं है, ये एक पहाड़ से भी अटल और मजबूत जज़्बे की कहानी है। यही वो ऐतिहासिक दिन है जब भारत की बेटी, बछेंद्री पाल माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं।

लेकिन ये जीत रातों-रात नहीं आई थी। उत्तराखंड के

एक छोटे से गांव नाकुरी में जन्मीं बछेंद्री, जब 12 साल की थीं, तभी उन्होंने पहली बार 13,000 फीट की चढ़ाई कर डाली थी। बिना किसी प्रोफेशनल ट्रेनिंग के।घर में सीमित साधन थे, लेकिन सपनों की ऊंचाई असीम थी।जब उन्होंने पर्वतारोहण को करियर बनाने की बात की, तो लोगों ने कहा– ये काम लड़कियों का नहीं है। पर बछेंद्री ने वही किया जो इतिहास रचने वाले करते हैं; लोगों की सुनना बंद किया और अपने लक्ष्य की ओर काम करती रहीं। 1984 में उन्हें %First Indian Women Everest E&pedition' के लिए चुना गया। लेकिन किस्मत ने फिर परीक्षा ली.. एवरेस्ट के बेस कैंप पर एक जबरदस्त एवलॉन्च आया, और कई सदस्य डर के मारे लौट गए। बछेंद्री घायल थीं, लेकिन पीछे नहीं हटीं। उन्होंने सोचा, अगर मैं लौट जाऊंगी, तो सारी औरतों के सपने भी टूट जाएंगे।और फिर... 23 मई 1984 को सुबह 1 बजकर 7 मिनट पर, समुद्र तल से 29,032 फीट ऊपर, बर्फ की उस चोटी पर तिरंगा लहराया गया।भारत की एक बेटी ने साबित किया कि हौसलों की ऊंचाई, एवरेस्ट से भी बड़ी होती है।उनकी इस उपलब्धि ने एक लहर पैदा की। पहाड़ अब लड़कियों के सपनों में आने लगे, पर्वतारोहण अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा, और ‘बछेंद्री पाल’ एक नाम नहीं, एक प्रेरणा बन गईं। (साभार)आज जब हम बेटियों के लिए नए आसमान खोजते हैं, तो ये याद रखना ज़रूरी है कि किसी ने तो पहली चढ़ाई की थी। किसी ने तो रास्ता बनाया था। और वो थीं–बछेंद्री पाल।

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड)

आदमी भटकता क्यों है?

मुकेश नेमा

भटकना तो आदमी का स्वभाव है। यदि आदमी ना भटके तो हमारे इतने सारे धर्म ,बाबा ,साधु संत ,रिश्तेदारों और हमारी आपकी पत्नियों के पास फिर काम ही क्या रह जायेगा ?किसे रास्ते पर लाने के उपदेश देंगे ये ? इन सभी की दुकानें बंद हो जायेंगीं। ये सभी दिल से चाहते हैं कि आप रास्ता भटक जायें ताकि ये आपको रास्ता दिखा सकें। और भी इसमें हमारी आपकी गलती है भी क्या ? इतने सारे रास्ते है ही क्यों ? एक होता हम नाक की सीध में चलते और पहुँच जाते। गलती उसकी है जिसने इतने सारे रास्ते बनाये। आदमी भटकना नहीं चाहता पर इतने सारे रास्ते उसे कन्फ्यूज कर देते है ,बहुत बार वो नया रास्ता बनाना चाहता है इसलिये भी एक नई दिशा की तरफ़ निकल पड़ता है। ऐसे में या तो वो खुद खो जाता है या दूसरों को रास्ता दिखाने में कामयाब हो जाता है। कोलंबस को ही ले लीजिए। भटकने के कारण नाम कमा गया वो। चटोरा आदमी था वो। उसे मसालो से इश्क़ था। बस इसी वजह से वह भारत आने का नया और छोटा रास्ता तलाशना चाहता था अब ये बात अलग है कि वो भटक कर अमेरिका पहुँच गया।भटकने से बचने के ध्यान की दुकानें भी है हमारे यहाँ। पर बहुत बार यहाँ ध्यान खुद भटका मिलता है आपको। आप इस नतीजे पर पहुँचते हैं कि दुकान खोले बैठे महारथी खुद अंधे हैं और अंधों से रास्ता दिखाने की उम्मीद रखना बेकार ही है और फिर भटके हुये को भटकना मानना ही क्यो है ? हो सकता है उसे ये खबर हो कि दुनिया गोल है। आप जहां जाना चाहते है वहाँ एक ना दिन पहुँच ही जाएँगे। हरिवंश राय बच्चन ऐसे ही थोड़े बता गये हैं कि राह पकड ले एक चला चल । पा जायेगा मधुशाला। ऐसे में किसी को भटकता हुआ देखें तो उसे एकदम से शराबी ना मान लें हो सकता है वो कोई पहुँचा हुआ संत हो और आपको राह दिखाने आया हो।भटको हुओ को रास्ता दिखाने की ज़िम्मेदारी सबसे पहले ध्रुव तारे ने सँभाली फिर गुरू तलाशे गये। कंपास भी आगे आया उसके लिये और आजकल इन सबका काम गूगल कर रहा है। इन सारे तरीक़ों के बावजूद जो भटकना चाहता है वो भटक ही जाता है। और फिर भटकने का अपना रोमांच है। भटकने वाला इंसान ,नई जगहों और नये लोगों से मिलाता है ।भटकना आपको ज्ञानी तो बनाता ही है ,बहुत बार जवान भी कर जाता हैं। आदमी भटकता क्यों है ? बंदा शातिर हो जेब भारी हो तो भटकना आसान।काम का बोझ हो ,फालतू हों। बाप के ताने हों। दूसरों से आगे निकलने की छटपटाहट हो ,तो भी आदमी भटक जाता है। और इन सब से बड़ी बात कि विधाता ने आपके लिए अर्श या फर्श क्या तय किया हुआ है। ऐसे मे जब पहुँचे, जहाँ पहुँचे उससे राजी रहे और आप कर भी क्या सकते हैं ? आदमी जीते जी भटकता है ,मरने के बाद भूत बनकर भटकता है। हमें बताया गया है कि लीक छोड़कर भटकना ,शायर ,सिंह और सपूत बना सकता है। भटकना फ़ितरत है हमारी। आदमी की छोड़िये बहुत बार पूरा समाज ,पूरा देश तक भटक जाते हैं। ऐसे में किसी के भटकने पर बहुत हैरान होने की ज़रूरत है नहीं। उम्मीद का दामन पकड़े रहिए। यह सोच कर इत्मिनान बनाये रखिये कि सुबह का भटका शाम तक घर लौट ही आता है।

खुद की कूटनीति को नकारने का जोखिम

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दो धारी कूटनीति एक अत्यंत व्यावहारिक और प्रभावी उपकरण माना जाता है। विशेषकर तब जब कोई देश अपने हितों को बहुपक्षीय रूप से सुरक्षित करना चाहता है। यह नीति न केवल रणनीतिक लाभ दे सकती है,बल्कि विश्व मंच पर एक देश की स्थिति को भी मजबूत भी कर सकती है। भारत ने आर्थिक और सुरक्षा संयोजन में सामंजस्य को अपनाकर पिछले कुछ वर्षों में बहुपक्षीय सम्बन्धों को ज्यादा प्राथमिकता दी है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी से मची अराजकता पर कड़ी प्रतिक्रिया से परहेज किया,वहीं यूक्रेन पर रूस के हमलें से उपजी परिस्थितियों में भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कूटनीति तक सीमित कर दिया। इस वर्ष की शुरुआत में ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को बेड़ियों से जकड़कर अपने अपने देश भेजा तो कोलंबिया जैसे छोटे से देश ने अपने नागरिकों को वापस भेजने के तरीके पर खुलकर विरोध किया। वहीं,भारत ने इसे वर्षो से चली आ रही प्रक्रिया बता कर स्वीकार कर लिया।

भारत पिछले डेढ़-दो दशकों से अमेरिका के साथ अपने संबंधों को आगे ले जाने पर ज़ोर देता देखा गया है जबकि अमेरिका की नीतियां अव्यवहारिक देखी गई है। ट्रंप से पहले बाइडन के दौर में दोनों देशों के बीच उतार-चढ़ाव और मतभेद देखे गए,वहीं ट्रम्प खुले तौर पर भारत को चुनौती देते हुए दिखाई दे रहे है। कश्मीर को लेकर भारत पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता से लेकर भारत में उद्योग न लगाने की उनकी सार्वजनिक बयानबाज़ी ने भारत को विचलित ही किया है। डेढ़ दशक में भारत ने बड़ी संख्या में अमेरिका से सैन्य उपकरणों को ख़रीदने की शुरुआत की है। भारत अमेरिका का एक औपचारिक सैन्य सहयोगी नहीं था लेकिन इसके बावजूद उसे अमेरिका की किसी भी इंडो-पैसिफिक रणनीति का आधार बनाया गया और भारत ने इसे स्वीकार भी किया। क्वाड चीन की चुनौती का सीधा मुकाबला करने की एक बड़ी योजना की ओर ले जाया गया। अमेरिकी साझेदारी को भारत ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने और चीन के क्षेत्रीय प्रभाव का संतुलन बनाने में सहायक समझा। यह विश्वास किया जाता है कि क्वाड भारत के लिए एक कूटनीतिक और रणनीतिक मंच है, जो उसे हिंद-प्रशांत में अपनी स्थिति मजबूत करने,चीन को संतुलित करने और वैश्विक शक्ति संरचना में सक्रिय भूमिका निभाने में मदद करता है।

भारत और अमेरिकी सम्बन्धों में गहरे अविश्वास के बाद भी चीन को लेकर दोनों देशों में आपसी साझेदारी की जरूरत को महसूस किया गया है। डी आइजनहावर भारत के दौरे पर आने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे। वह दिसंबर 1959 में दोनों देशों के बीच आश्चर्यजनक संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने साफ कहा था की अमेरिका भारत को चीनी कम्युनिस्ट आक्रामकता का सामना करने में मदद करेगा। उनकी कूटनीति में यह स्पष्ट था की भारत अमेरिकी मित्रता को उस बिंदु तक स्पष्ट रूप से मजबूत करना था जहां कोई गारंटी आवश्यक नहीं थी। चीन से भारत के 1962 के युद्द में अमेरिका के बिना शर्त सहयोग के बाद भी भारत ने अमेरिका पर आंख मूंद कर भरोसा नहीं किया। उस दौरान वियतनाम में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भारत में मुखर आलोचना की। भारत ने वियतनाम में हो रही हिंसा और अमेरिका के सैन्य हस्तक्षेप की आलोचना करते हुए वहां शांति और वार्ता का समर्थन किया। भारत ने यह माना कि यह युद्ध साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के खिलाफ वियतनाम की आत्मनिर्भरता की लड़ाई है। भारत ने संयुक्त

राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका के आक्रामक रुख की आलोचना की। भारत ने उत्तर वियतनाम और वियतनामी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन किया। 1972 में भारत ने आधिकारिक रूप से उत्तर वियतनाम को मान्यता दी थी। भारत का रुख उस समय अंतरराष्ट्रीय नैतिकता और शांति के पक्ष में था। वियतनाम युद्ध में अमेरिका की आलोचना करके भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी स्वतंत्र और नैतिक विदेश नीति की झलक दिखाई। यह अमेरिका के लिए अप्रत्याशित था लेकिन भारत ने किया।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के सम्बन्ध मजबूत हुए है और इसका असर रूस की नीतियों पर देखने को मिल रहा है। किसी दौर में भारत का विश्वास बनाएं रखने के लिए पाकिस्तान को पूर्ण रूप से नजरअंदाज करने की रुसी नीति में उदारता देखी जा रही है। रूस के साथ पाकिस्तान के सामरिक सम्बन्ध भी बढ़े है। भारत और रूस के बीच रक्षा,ऊर्जा और भू-राजनीतिक मुद्दों पर ऐतिहासिक और मजबूत रिश्ते रहे हैं। भारत ने हमेशा रूस को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में माना है और रूस के साथ उसकी साझेदारी कई दशकों से कायम है। वहीं भारत अमेरिकी रणनीतिक संबंधों से रूस आशंकित हुआ है।

रूस और अमेरिका की प्रतिद्वंदिता के बीच भारत की अपनी रणनीतिक जरूरतें है। रणनीतिक जरूरतें देश की सुरक्षा,समृद्धि,वैश्विक स्थिति और दीर्घकालिक हितों से जुड़ी होती हैं। इन जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत को अपनी भू-राजनीतिक स्थिति,आंतरिक संसाधनों,पड़ोसी देशों और वैश्विक शक्ति संतुलन को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित और बहुआयामी रणनीति अपनानी पड़ती है। अमेरिका भारत की बहुआयामी रणनीति को प्रभावित करते हुए दबाव बनाने की लगातार कोशिश कर रहा है। पहलगाम के बाद भारत पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मदद मिलना इसका बड़ा उदाहरण है,इसके बावजूद की भारत ने आईएमएफ के इस कदम का कड़ा विरोध किया था। अमेरिका के मुकाबले रूस भारत का विश्वसनीय साझेदार नजर आता है। रूस भारत के लिए केवल एक रक्षा साझेदार के साथ रणनीतिक,दीर्घकालिक और भरोसेमंद सहयोगी है जो भारत की सुरक्षा, ऊर्जा,कूटनीति और वैश्विक प्रभाव के लिए अनिवार्य बना हुआ है। वर्भातमान में भारत,अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बना रहा है,लेकिन रूस के साथ उसके रणनीतिक संबंध भारत को रणनीतिक रूप से ज्यादा सक्षम बनाते हैं। रूस भारत के प्रतिद्वंदी देशों से लगती सीमा पर है और यह स्थिति भारत को रणनीतिक बढ़त देती है। रूस भारत के लिए केवल एक परंपरागत मित्र नहीं,बल्कि रक्षा,ऊर्जा,कूटनीति,तकनीक और वैश्विक प्रभाव के क्षेत्रों में एक रणनीतिक स्तंभ भी है।

भारत को अपनी सीमा सुरक्षा,पड़ोसी देशों के साथ संबंध,वैश्विक शक्ति संतुलन और आंतरिक स्थिरता के सन्दर्भ में कई भू-राजनैतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत ने स्वतंत्रता के बाद से अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को केंद्रीय सिद्धांत बनाया था। पिछले कुछ वर्षों में भारत अमेरिका की साझेदारी से भारत के रणनीतिक स्वायत्तता बाधित हुई है। किसी भी राष्ट्र की भौगोलिक स्थिति,उसके पड़ोसी, उसकी सीमाएं, संसाधन, प्राकृतिक बाधाएं और स्थानीय चुनौतियां स्थायी होती हैं। देश अपनी भौगोलिक सीमाओं को इतिहास, कूटनीति या युद्ध के माध्यम से थोड़ा बहुत बदल सकता है,पर वह अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकता। भारत की रणनीतिक और सुरक्षा नीति को चीन और पाकिस्तान जैसे दो पड़ोसियों के खतरे को ध्यान में रखकर ही बनाना पड़ता है। ट्रम्प आर्थिक प्रतिबद्धताओं के सहारे आइजनहावर और ओबामा को झूठला रहे है। भारत को यह समझना होगा की ट्रम्प प्रतिद्वंदिता से दबाव में आते है। वे चीन के दबाव में भी आयें जबकि यूरोप और भारत जैसे मित्र देशों से उनका कूटनीतिक व्यवहार बेहद असंगत रहा है।

जाहिर है भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए रूस जैसे साझेदार की सदा जरूरत है। अमेरिका से रणनीतिक सहयोग बढ़ाने और ट्रम्प के प्रति लचीले रहने की खुद की कूटनीति को फ़िलहाल नकारने का जोखिम भारत को उठाना ही होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रमन अग्रवाल की स्मृति में निशुल्क प्राथमिक चिकित्सा किट का वितरण

ग्वालियर। कैलाशवासी रमन अग्रवाल द्वारा शुरु किया एक कार्य निशुल्क प्राथमिक चिकित्सा किट का निशुल्क वितरण श्रमिक एवं जरूरतमन्द लोगों को ग्वालियर के निकट ग्रामीण इलाकों में किया गया। फ़र्स्ट ऐड़ बॉक्स की उपयोगिता समझा कर उसे वितरित किया गया।निर्माणाधीन साइट्स पर श्रमिक भाईयों को कई बार चोट इत्यादी का सामना करना पड़ता है। गम्भीर चोट की दशा में उन्हे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए परन्तु छोटी चोट की दशा में वे पोलीथिन या कपड़े का इस्तेमाल करते है। इस से इन्फेकशन इत्यादी के कारण घाव बढ़ने का खतरा रहता है। संस्था द्वारा प्राथमिक चिकित्सा कार्यक्रम विगत 7 वर्षों से मध्यप्रदेश के चार जिलों ग्वालियर , रतलाम , झाबुआ एवं अलीराजपुर में प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूक करना और उनकी चोट और दर्द को कम करने की दशा में नि:शुल्क 2000 से अधिक परिवारों को फर्स्ट एड किट वितरित की जा चुकी है। इस कार्यक्रम में अनुभव रमन अग्रवाल के साथ साथ जय शिव महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह तोमर एवं सचिव सौरव गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

रेंजर और वन रक्षक ने देखा चंदन का कटा हुआ पेड़

भोपाल। लगभग 70 एकड़ में फैल संत हिरदाराम नगर के शानदार पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क में बुधवार रात को महिला योगा स्थल के समीप हरा भरा चंदन का लगभग 50 फीट लम्बा पेड़ आरी से काटे जाने एवं यह खबर अखबारों के अलावा सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग के अधिकारियों में हड़कम्प मच गया है। वन अधिकारी राकेश दीप तिवारी ने बताया कि वे तथा रेंजर सुबह के वक्त बोरवन पार्क पहुंचे और कटे हुए चंदन के पेड़ को देखा। चंदन का पेड़ काटा गया है लेकिन वह वहीं पड़ा हुआ है, जिसे अपने कब्जे में लिया गया है लेकिन जब चारों तरफ बाउंड्री लगी है और मुख्य गेट पर निर्धारित समय के अलावा ताला लगा रहता है तब पेड़ काटने की हिमाकत किसने की यह खबर नहीं लग पाई है। यहां बता दें कि बोरवन पार्क एक दो नहीं बल्कि लाखों की संख्या में हर

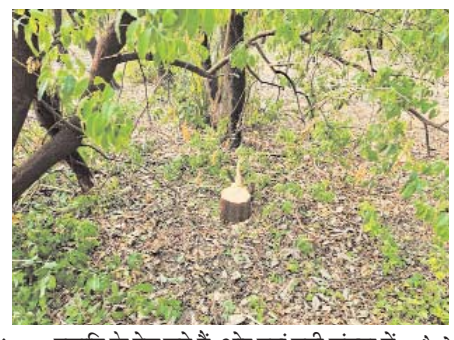

प्रजाति के पेड़ लगे हैं, ओर यहां बड़ी संख्या में मोर पक्षी, सियार, लोमड़ी का भी निवास है, जो सुबह एवं शाम को सैर करने आने वाले लोगों को अक्सर दिखते हैं। इसी आलीशान बोरवन क्षेत्र में बच्चों एवं बड़ों के मनोरंजन व स्वास्थ्य सुधार के कई उपकरण भी लगे हैं महिलाओं के लिए पृथक से योगा स्थल भी बनाया गया है जहां प्रतिदिन सुबह व शाम को लगभग 10 हजार लोग सैर करने आते हैं। यह बोरवन पार्क भीतर ही भीतर लगभग चार किलो मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। अगर इसका केवल एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक चक्कर काटा जाए तो वह दो मिलो मीटर होता है। ऐसी आलीशान जगह पर से चंदन का पेड़ आरी से काटा जाए तो यह आश्चर्य की बात है। कुल्हाड़ी तो अपने साथ कोई भी छुपा कर ला सकता है लेकिन आरी से काटने के लिए बाकायदा मशीन भीतर लाई गई होगी वह चौकीदार की नजरों से कैसे बचकर अंदर पहुंच गई यह भी आश्चर्य का विषय है। इधर रेंजर गोपाल सिंह बरेरा का कहना है कि जो पेड़ काटा गया वह चंदन नहीं कट चंदन था। मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया और जिसने भी यह कृत्य किया है, उसके खिलाफसमुचित कार्रवाई की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को पर्यावरण के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

जुम्मापुरा स्थित नाले का जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

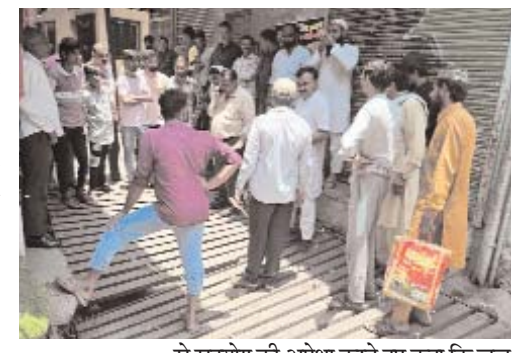

आष्टा। बुधवारा व जुम्मापुरा में रहने वाले नागरिकों की समस्या के निदान हेतु नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा नगरपालिका के तकनीकी अधिकारियों के साथ जुम्मापुरा स्थित नाला स्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने जुम्मापुरा एवं बुधवारा के नागरिकों से चर्चा कर समस्या का निराकरण त्वरित करने हेतु तकनीकी अधिकारी उपयंत्री पी.के. साहू को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा पूर्व जल भराव की समस्या का निराकरण हो। जहां-जहां भी अवैध निर्माण कर नाले को चोक किया गया है, ऐसे सभी अवैध निर्माण को तोडकर नाले को साफ करवाएं, ताकि बुधवारा में होने वाली जल भराव की समस्या से नागरिकों को निजात मिल सकें। बुधवारा व जुम्मापुरा स्थित नाले में चल रहे सफाई कार्य के निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि जल भराव की समस्या से आप सभी के साथ-साथ यहां व्यवसाय करने वाले व्यापारियों को भी है, समस्या के निराकरण के लिए नाले की व्यवस्थित सफाई की जाना एवं नाले पर किए गए अवैध निर्माण कर कब्जे को दूर किया जाना अतिआवश्यक है। इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। इस अवसर पर नपाउपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, पार्षद जाहिद गुड्डू, रवि शर्मा, डॉ. सलीम खान, उपयंत्री पी.के. साहू, मनोहर विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

तीसरे दिन भी नगर से हटाया अतिक्रमण वर्षों से काबिज थे दुकानदार

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। नगर में सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने तीसरे दिन शुक्रवार को शक्ति बरती प्रशासन के बुलडोजर ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदार की दुकानों को गिरा दिया शुक्रवार को रहटी मार्ग पर वृज के दोनों तरफ एवं बस स्टेंड से अतिक्रमण हटाया गया। शनिवार को मुख्य बाजार का अतिक्रमण हटाया जाएगा। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नगर को अव्यवस्था मुक्त बनाने के लिए प्रशासन कढ़ा रूख अपनाएगा कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

समर कैम्प का हुआ समापन

सांध्य प्रकाश गंज बासौदा । पी एम जी शा. कन्या उ. मा. वि. मंडी गंजबासौदा में मंगलवार को 20 दिवसीय समर कैम्प का समापन हुआ यह कैम्प दिनांक एक मई से आरंभ होकर 21 मई को पूर्ण हुआ। समर कैम्प में छात्राओं को मेंहदी रंगोली, संगीत चित्रकला, मार्शल आर्ट, एवं आत्मरक्षा हेतु लाठी चलाना सिखाया साथ ही कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी भी दी गई। कैम्प 8 बजे से 11 बजे तक संचालित रहता था समर कैम्प का संचालन प्राचार्य प्रभात श्रीवास्तव के नेतृत्व में शैलेंद्र जैन शिक्षक एवं विशाल वर्मा शिक्षक के मार्गदर्शन में कु. एकता गोप एवं कु. नम्रता शर्मा ने किया। भाषा ज्ञान समर कैम्प के अंतर्गत श्रीमति सोनाली शेवड़े ने मराठी भाषण का एवं श्रीमति स्वप्ना डे ने बंगाली भाषा का प्रशिक्षण दिया कक्षा 5 से कक्षा 12 तक की 90 छात्राओं ने समर कैम्प में भाग लिया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की । समापन के अवसर पर विकासखंड शिक्षाधिकरी परता अहिरवार, आर्यसमाज संचालक सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव एवं व्यायाम शिक्षक संजीव साध उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज राठौर ने किया

राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ कलचुरी कलार समाज जिला छतरपुर की बैठक हुई सम्पन

छतरपुर। कलचुरी कलार समाज छतरपुर जिला अध्यक्ष पुरषोत्तम शिवहरे लाले दादा के निज निवास पर जिला कलचुरी कलार समाज छतरपुर की बैठक आयोजित की गई जिसमे मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष किशोर राय जी एवं प्रदेश युवा अध्यक्ष अधिवक्ता सुशील शिवहरे जी रहे कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम आराध्या सहस्त्रबाहु अर्जुन महाराज जी को फूल माला पहनकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवहरे जी के द्वारा कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथियों को फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया प्रदेश सचिव दयाराम शिवहरे, राम विश्वास शिवहरे लकी भैया के द्वारा कार्यक्रम में आए सभी स्वजातीय बंधुओ का स्वागत किया गया अधिवक्ता सुशील शिवहरे ने बताया की समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के पास कैसे पहुंच जाए और कैसे उसे मदद की जाये, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष किशोर राय जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि आगामी समय में होने बाली जाति जनगणना में सभी लोग कलचुरी शब्द का उपयोग करें जिससे कलचुरी कलार समाज की सही जनगणना हो सके सभी स्वाजातीय बंधु मिलजुल कर रहे एक दूसरे के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवहरे ने बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य जल्द शुरू होने वाला है युवा अध्यक्ष निखिल शिवहरे ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि किशोर राय जी को शॉल श्रीफल आराध्या सहस्त्रबाहु भगवान का छायाचित्र दे कर सम्मानित किया कार्यक्रम में काशीराम राय ,बद्री शिवहरे ,लखन शिवहरे ,राकेश शिवहरे शैलेंद्र शिवहरे ,सोनू शिवहरे ,उदय शिवहरे ,प्रिंस शिवहरे, राजकुमार शिवहरे ,राजू शिवहरे मुन्नालाल शिवहरे अर्जुन शिवहरे एवं कैलाश प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सांसद ने की पठा लघु जलाशय केसली के कार्य प्रगति की समीक्षा

दमोह। संसदीय क्षेत्र की देवरी विधानसभा अंतर्गत ?777.88 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन पठा लघु जलाशय (केसली) सिचाई परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की।इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से विस्तार से चर्चा कर निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता और गति के साथ पूरा किया जाए। इस परियोजना से लगभग 240 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इस अवसर पर विधायक पं. ब्रजबिहारी पटेरिया , जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल ढिमोले, मंडल अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

नरसिंह मंदिर तलैया पर ललिता यादव ने किया घाट निर्माण का भूमिपूजन

छतरपुर। नरसिंह मंदिर तलैया पर विधायक निधि से घाट निर्माण का भूमिपूजन बुधवार को छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने पूरे विधि विधान से किया। छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने घाट निर्माण के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपए दिए हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, भाजपा नेत्री कमलेश राय, महामंत्री सुरेंद्र चौरसिया, अरविंद सिंह बुंदेला, नीरज भार्गव, पार्षद सुशील सोनी, डॉ बीपी चंसौरिया और स्थानीय लोगों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि इस घाट निर्माण से निश्चित रूप से क्षेत्र की सुंदरता और नरसिंह मंदिर के धार्मिक महत्व में वृद्धि होगी। यह घाट निर्माण न केवल धार्मिक अनुष्ठानों के लिए एक सुंदर स्थल प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल होगा।

भारत माता का वैभव दिखा देशभक्ति के रंग में रंग शहर लहराया तिरंगा निकली तिरंगा यात्रा

आष्टा। शुक्रवार को शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया दुकानों पर तिरंगा झंडा लगा हुआ था आज मानस भवन से तिरंगा यात्रा प्रारंभ हुई जो की प्रमुख मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल बड़ा बाजार पहुंची। बता दे की आष्टा के मानस भवन से तिरंगा यात्रा शुरू हुई जिसमें सभी लोग हाथों में तिरंगा झंडा और देशभक्ति के गाने बज रहे थे । जहां तक नजर तिरंगा के साथ देशभक्ति का रंग बिखरा मिला हर तरफ भारत माता की गूंज के साथ ही देशभक्त और राष्ट्र प्रेम लोगों के रंगों में दौड़ रहा था वह वीर सैनिक जिन्होंने बॉर्डर पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाएं उनके सीने पर मेडल जीते हैं वह रिटायर्ड भले ही हो गए लेकिन जोश और जुनून देखने को मिला तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिक भी शामिल हुए और शहर वासी भी बड़ी बस संख्या में शामिल थे ऑपरेशन सिंदूर की जीत के जश्न के तिरंगा यात्रा में लोगों ने भी जगह-जगह मंच बनाकर पुष्प बरसाए।

देश भक्ति के गीतों से भरा जोश

तिरंगा यात्रा के दौरान देशभक्ति के गीत गूंजते रहे यात्रा में तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिक बड़ी संख्या में शामिल हुए स्थान या शहर वासी भी शामिल हुए सभी तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया जा रहा है सीमा पर तैनात वीर जवानों की वजह से त्योहार मना पाए हैं हमारे जवानों की खातिर हम होली और दीपावली मना पाते हैं ऑपरेशन सिंदूर में यहां साबित कर दिया कि देश में भारत के बीच जवानों वाली मनोबल वाली दूसरी कोई सेना नहीं है। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि हमें अपनी सेना पर गर्व है हम भारत के सैनिकों के चरणों में नतमस्तक है और उनको प्रणाम करते हैं। हमारे सैनिकों की वजह से ही हम अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं।

तिरंगा यात्रा में दिखा उत्साह

आज की तिरंगा यात्रा में जोश और उत्साह नजर आया तिरंगा यात्रा में क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ललित नागोरी ,राकेश सुराणा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रूपेश राठौर, भाजपा मंडल अध्यक्ष अंजनी चौरसिया ,विशाल चौरसिया, संदीप जयसवाल, संतोष शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता आदि शामिल हुए।

खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट की सौगात पर विधायक के प्रति सद्भाव ग्रुप ने किया आभार ज्ञापित

सिवनी। विधानसभा क्षेत्र सिवनी के ऊर्जावान विधायक दिनेश राय मुनमुन ने क्षेत्र में खेल के प्रति काफी समर्पित हैं नगर में खेल प्रेमियों की सुविधाओं के लिये खिलाड़ियों को खेल सामग्री की किट व अन्य सुविधाएं मुहैया कराते हुए अब मिशन स्कूल ग्राउंड एवं पालिटेक्निक मैदान में हाईमास्ट लाइट प्रदान कर रहे हैं। जिससे अब खेलों के प्रति हर उम्र के खिलाडियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है लगातार वेटरन क्रिकेट टूर्नामेंट अंतर्गत रात्रिकालीन मैचों का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। विधायक द्वारा खेल मैदानों में हाईमास्क लाईट की सुविधा होने से सभी खिलाड़ियों में हर्ष व्यापत है और अब उन्हें रात्रि के समय खेल के कौशल को बढाने में आसानी होगी। नगर के खेल प्रेमियों ने विधायक राय की यह सौंगात खिलाडियों के व्यापक हित में है। नगर व जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए खिलाडियों के प्रति समर्पित भाव से की जा रही इस सेवा के लिए सद्भाव ग्रुप के सदस्यों नवल ठाकुर, आशीष गोलू सक्सेना, राजेश यादव, नन्दन श्रीवात्री, जय श्रीवास्तव, ओम सराठे, कर्म सिंह बघेल, आशीष बघेल, श्वेत अग्रवाल, दिनेश सनोडिया, विजय चौहान, भूपेंद्र ठाकुर, अभिराज सिंह ठाकुर, संदेश जैन, संदेश तिव्हन, नीरज नाविक सहित पूरे सद्भाव ग्रुप के सदस्यों ने अकबर वार्ड पार्षद मालती पांडे, जनभागीदारी अध्यक्ष बाबा पांडे को धन्यवाद प्रेषित कर विधायक दिनेश राय मुनमुन के प्रति आभार ज्ञापित करते हुये कहा है कि विधायक श्री राय की यह सौंगात खेलों को ऊचाईयां प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। ज्ञात हो कि बीते माहों पूर्व नगर के बड़ा मिशन स्कूल मैदान मे आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा क्रिकेट प्रेमियों एवं खिलाडियों की मांग पर हाईमास्ट लाईट लगाए जाने की स्वीकृति दी गयी थी।

गजानंद प्रीमियर लीग सीजन 3 नाइट टूर्नामेंट का शानदार समापन

सिवनी। सिवनी के फिल्टर मैदान में दूधिया रोशनी के बीच आयोजित हुई गजानंद प्रीमियर लीग सीजन 3 रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता में शहर की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लेकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जिसका फाइनल मुकाबला बीते 22 मई को खेला गया। रात 10 बजे से फाइनल मैच जिले दो बड़ी टीम सिवनी बायज सिवनी और जीएससी के मध्य खेला गया जिसमें टीम जीएससी ने टास जीतकर पहले बेटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 103 रनों का लक्ष्य रखा जिसका पीछा करते हुए सिवनी बायज सिवनी ने 9 ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य को पार करते हुए जीत हासिल की। मैच के मेन ऑफ मैच इमरान दिल्लन(सिवनी बॉयस) रहे, मेन ऑफ दा सीरीज अप्पू बघेल (जीएससी) रहे वहीं शानदार गेंदवाजी के सुशील ठाकुर (जीएससी) को सर्वशेष्ठ बोलर के पुरुष्कार से नवाजा गया। समस्त टीमें जिन्होंने इस प्रतियोगिता मे भाग लिया और जो खिलाड़ी इसमे शामिल हुए और जो टीमें किसी कारण से या खिलाडी किसी कारण वश नही आ सके उनके लिए कमेटी ने सभी का धन्यवाद किया है।

दुष्कर्म फिर ब्लैकमेलिंग का खेल, छात्राओं से कहते थे सहेली को लाओ, गैंग 3 साल से एक्टिव

उज्जैन । मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले रेप और ब्लैकमेलिंग का घिनौना मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो लड़कियों को पहले प्रेमजाल में फंसाता, फिर उनके अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि यह गैंग करीब तीन साल से इस तरह कई लड़कियों को शिकार बना चुका।

मोबाइल-पेनड्राइव से खुली सच्चाई: दरअसल बिरलाग्राम क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस टीम ने बीसीआई के खंडहर में घूमते कुछ संदिग्धों को रोका तो वे भाग खड़े हुए। मौके पर गिरे मोबाइल और पेनड्राइव की जांच की गई, जिसमें कई लड़कियों के अश्लील वीडियो पाए गए। इसी आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की और उन युवकों को ढूंढकर पकड़ा।

पीड़िताओं की शिनाख्त के बाद आरोपियों पर प्रकरण दर्ज: वीडियो की पहचान के बाद चार लड़कियों को थाने बुलाया गया, जिन्होंने आरोप लगाया कि सूफियान, सोहेल, तोहिद, वीरू, उस्मान और एक नाबालिग ने उन्हें प्रेमजाल में फंसाकर संबंध बनाए और फिर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस आधार पर सात युवकों के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है।

छह आरोपी गिरफ्तार, बीच बाजार में निकाला गया जुलूस पुलिस ने सूफियान, सोहेल, तोहिद, वीरू, उस्मान और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी अरुण फरार है। गुरुवार को पुलिस ने नाबालिग को छोड़ बाकी छह आरोपियों का बाजार में जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान उनकी पिटाई भी की गई। पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से पुलिस को रिमांड मिल गई है।

वकीलों ने किया पैरवी से इनकार: नागदा अभिभाषक संघ ने साफ कर दिया कि वह आरोपियों की पैरवी नहीं करेगा। वहीं फरार आरोपी अरुण की लोकेशन उत्तराखंड में मिली है। पुलिस की एक टीम वहां रवाना की गई है।

तीन साल से चल रहा था गैंग: सूफियान पेंटिंग का काम करता है, सोहेल ऑटो चालक है और एक अन्य आरोपी मोबाइल शॉप पर काम करता है। सभी आरोपी सामान्य कामकाजी वर्ग से हैं, लेकिन तीन वर्षों से यह गिरोह मिलकर लड़कियों को फंसाने और उनका यौन शोषण करने में सक्रिय था। एसपी प्रदीप शर्मा ने इस केस में तत्परता से कार्रवाई करने वाली टीम को 10-10 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की।

करीब दो हफ्ते पहले बिछड़ोद क्षेत्र में भी लव जिहाद का मामला सामने आया था, जहां अश्लील वीडियो बनाकर नाबालिग लड़कियों का दुष्कर्म किया गया था। एक लड़की का वीडियो वायरल होने के बाद पूरा मामला उजागर हुआ था।

मंडीदीप में नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई गांजा और अवैध शराब के साथ तीन आरोपित

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मंडीदीप 22 मई 2025-जिले में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंडीदीप पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे तथा एसडीओपी ओबेदुल्लागंज शीला सुराणा के मार्गदर्शन में मंडीदीप व सतलापुर थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने मिर्ची चौराहा क्षेत्र में दबिश देकर गांजा और अवैध शराब बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है।

6 किलो गांजा और शराब जब्त, एक गिरफ्तार, दो फरार 22 मई को मुखबिर की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी गोलू साहूपिता हरीराम (उम्र 34 वर्ष) के कब्जे से 6 किलो 420 ग्राम गांजा (कीमत लगभग ?64,000), देशी शराब के 75 क्वार्टर तथा 5 बियर की बोतलें (कुल अनुमानित कीमत ?7,530) जब्त की। साथ ही मौके से ?8,780 नगद भी बरामद हुए।

पूछताछ में गोलू ने खुलासा किया कि उसका छोटा भाई रोहित साहू और बड़ा भाई रवि साहू भी इस अवैध व्यापार में शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान दोनों फरार हो गए। तीनों के खिलाफ पहले से ही गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, मारपीट, गाली-गलौच, धमकी, जुआ एक्ट व अन्य धाराएं शामिल हैं। प्रकरण दर्ज, फरार आरोपियों की तलाश जारी मामले में थाना मंडीदीप में अपराध क्रमांक 210/2025 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट व 34(1) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी गोलू साहू को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। अतीत में भी गंभीर मामले दर्ज रोहित साहू पर 2015 से 2025 के बीच कुल 15 गंभीर प्रकरण दर्ज हैं जिनमें एनडीपीएस, एससी/एसटी एक्ट, जुआ व आबकारी अधिनियम शामिल हैं। गोलू साहू पर वर्ष 2009 में 302 भादवि (हत्या) का मामला दर्ज हो चुका है। रवि साहू पर भी हत्या और एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

पुलिस की सराहनीय भूमिका इस कार्रवाई में एसडीओपी श्रीमती शीला सुराना, थाना प्रभारी मंडीदीप रंजीत सराठे, थाना प्रभारी सतलापुर विजय त्रिपाठी, उपनिरीक्षक अमर सिंह निगम, पदमा, प्रआर भूपेंद्र, प्रदेश सिंह व आरक्षक शिशुपाल की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी नशे का अवैध कारोबार होता दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी द्य

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स आईपीओ से 168 करोड़ रुपए जुटाएगी

भोपाल। प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स लिमिटेड ने आज अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-105 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइस बैंड की घोषणा की। यह आईपीओ मंगलवार, 27 मई 2025 को सबस्क्रिप्शन के लिए खुलेगा और गुरुवार, 29 मई 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशकों का हिस्सा सोमवार, 26 मई 2025 को खोला जाएगा। कंपनी इस पेशकश से 168 करोड़ जुटाने का इरादा रखती है और इसे बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है और केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस आईपीओ की रजिस्ट्रार है। प्रोस्टार्म इन्फो एक इंटिग्रेटिड पावर सॉल्यूशन कंपनी है, जो विशेष रूप से यूपीएस सिस्टम लिथियम-आयन बैटरी पैक, थर्ड पार्टी पावर सॉल्यूशन उत्पादों और अन्य क्षेत्रों में काम करती है। यह स्वास्थ्य सेवा, विमानन, अनुसंधान, बीएफएसआई, रेलवे, रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और तेल एवं गैस सहित कई उद्योगों को सेवाएं प्रदान करती है। यह प्रोस्टार्म ब्रांड के तहत कई पावर सॉल्यूशन उत्पाद बनाती है, जैसे यूपीएस सिस्टम, इन्वर्टर सिस्टम, लिफ्ट इन्वर्टर सिस्टम, सोलर हाइब्रिड इन्वर्टर सिस्टम, लिथियम-आयन बैटरी पैक, सर्वो-नियंत्रित वोल्टेज स्टेबलाइजर और आइसोलेशन ट्रांसफॉर्मर। यह ईपीसी आधार पर टर्नकी रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ एएमसी का काम भी करती है।

केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन ने क्यू4 एफवाय25 में 62 प्रतिशत की समेकित राजस्व वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड (एनएसई - केआरएन 7 बीएसई - 544263), जो एल्युमीनियम/कॉपर फिन्स, कॉपर ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स, वॉटर कॉइल्स, कंडेंसर और इवैपोरेटर कॉइल्स के प्रमुख निर्माता और निर्यातक हैं, ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही और पूरे वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। संतोष कुमार, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा, एफवाय25 हमारे लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है, जिसमें मजबूत संचालन और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ शामिल रहीं। हमने 90 प्रतिशत से अधिक की क्षमता उपयोग दर बनाए रखी, जो स्वस्थ मांग और प्रभावी निष्पादन को दर्शाता है।इस वर्ष हमने बार-प्लेट सुविधा शुरू की और अनुसंधान एवं विकास शाखा की स्थापना की। सौर ऊर्जा एकीकरण, ऑटोमेशन और इआरपी कार्यान्वयन से पारदर्शिता, लागत नियंत्रण और अनुशासन में सुधार हुआ।नीमराना संयंत्र में एफवाय26 की दूसरी तिमाही में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है, जिससे हमारी क्षमता छह गुना बढ़ेगी। इससे रेलवे विद्युतीकरण, भारी उपकरण और औद्योगिक शीतलन जैसे क्षेत्रों में प्रवेश संभव होगा।कोल्ड स्टोरेज, डेटा सेंटर्स और कमर्शियल कूलिंग क्षेत्रों में मांग मजबूत बनी हुई है। उत्तर अमेरिका में टैरिफ परिवर्तन से निर्यात के अवसर बेहतर हो रहे हैं। हमारी नई बार एंड प्लेट श्रेणी रेलवे और औद्योगिक अनुप्रयोगों में तेजी से आगे बढ़ रही है।

प्रवेग ने दमण में प्रवेग रिसॉर्ट काचिगाम - एक प्रमुख द्वीप रिट्रीट का शुभारंभ किया

अहमदाबाद / दमन। प्रवेग लिमिटेड ने गर्व के साथ प्रवेग रिसॉर्ट काचिगाम के भव्य उद्घाटन की घोषणा की है, जो दमण के काचिगाम में चार सुरम्य द्वीपों पर फैला हुआ एक अद्वितीय ईको-लक्ज़री डेस्टिनेशन है। यह रिसॉर्ट प्रकृति, उत्सव और आराम का सुंदर संगम प्रदान करने वाला एक शांत और विशेष स्थान है, जिसे अवकाश यात्रियों, डेस्टिनेशन वेडिंग्स और कॉर्पोरेट इवेंट्स के लिए एक पसंदीदा स्थल बनने के लिए तैयार किया गया है।एक शांत झील के चारों ओर और हरियाली से घिरे हुए, प्रवेग रिसॉर्ट काचिगाम लगभग 89,500 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और एक अनोखा द्वीपीय अनुभव प्रदान करता है। रिसॉर्ट में 50 टिकाऊ, सुंदर ढंग से सुसज्जित लक्ज़री कॉटेज हैं, साथ ही मेहमानों की विभिन्न ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं - चाहे वह विश्राम हो, मनोरंजन हो या भव्य आयोजनों का आनंद। प्रवेग रिसॉर्ट काचिगाम का मुख्य आकर्षण इसकी वेडिंग और इवेंट इंफ्रास्ट्रक्चर है। यहां एक सुंदर ओपन लॉन और एक मनोहारी एम्फीथिएटर है, जिसमें विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया विवाह मंच, 150-200 मेहमानों की क्षमता, और दूल्हा-दुल्हन के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम्स शामिल हैं। यह स्थान प्राकृतिक वातावरण के बीच आत्मीयता और भव्यता का सुंदर संगम प्रदान करता है, जिससे यह अविस्मरणीय पलों के लिए एक आदर्श स्थान बनता है। प्रवेग लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. विष्णुकुमार पटेल ने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, प्रवेग रिसॉर्ट काचिगाम के साथ हम दमण में डेस्टिनेशन वेडिंग और लक्ज़री ट्रैवल के अनुभव को एक नया रूप दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य मेहमानों को केवल ठहरने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव देना है जो प्रकृति, सुंदरता और आनंदमय जीवनशैली का उत्सव हो।

निकिता पेपर्स लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 27 मई 2025 को

मुंबई, एजेंसी। निकिता पेपर्स लिमिटेड, जो कि क्राफ्ट पेपर का निर्माण करती है, अब शेयर बाजार में कदम रखने जा रही है। कंपनी ने अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत एंकर निवेशकों के लिए 26 मई 2025 को होगी, जबकि आम निवेशक 27 मई 2025 से इसमें भाग ले सकेंगे। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी का लक्ष्य है कि ऊपरी प्राइस बैंड पर 67.54 करोड़ जुटाए जाएं। इस आईपीओ के बाद कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। श्री सुधीर कुमार बंसल, अध्यक्ष, निकिता पेपर्स लिमिटेड ने कहा इस आईपीओ के माध्यम से हम अपने सफर में एक और कदम आगे बढ़ा रहे हैं। हमारा ध्यान जिम्मेदार विकास के माध्यम से दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर केंद्रित है। निकिता पेपर्स लिमिटेड में हमने क्राफ्ट पेपर निर्माण में अपनी क्षमताओं का निरंतर विस्तार किया है, साथ ही टिकाऊपन और परिचालन दक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट रही है। इस आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्यतः नवीकरणीय ऊर्जा संरचना में निवेश के लिए किया जाएगा, जिसमें बायोमास और आरडीएफ आधारित पावर प्लांट की स्थापना शामिल है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम होगी। यह पहल ऊर्जा आत्मनिर्भर बनने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। यह कदम हमारे व्यवसाय प्रदर्शन को पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के साथ संरेखित करने के हमारे सतत प्रयासों को दर्शाता है। हम इस नए अध्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं क्योंकि हम लगातार निष्पादन, व्यावहारिक नवाचार और पेपर उद्योग के लिए स्वच्छ, अधिक कुशल भविष्य में योगदान देने पर केंद्रित हैं।

इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर के लिए सहमति पत्र लेने का कार्य तेजी पर

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने गुरुवार को समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को इंदौर-पीथमपुर आर्थिक गलियारे का मार्ग प्रशस्त करने के लिए भूमिधारक सहमति अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक हिमांशु प्रजापति और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। सिंह ने प्रस्तावित कॉरिडोर से संबंधित कार्यों के समन्वय और समय पर निष्पादन के महत्व पर जोर दिया। भूमिधारक सहमति देने के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। मार्ग के किनारे स्थित अधिकांश गांवों ने लगभग प्रक्रिया पूरी कर ली है, तथा शेष गांवों में भी इस सप्ताह के भीतर प्रक्रिया पूरी हो जाने की उम्मीद है। शेष स्वीकृतियों को तेजी से पूरा करने के लिए इस सप्ताह तीन गांवों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसमें जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और एमपीआईडीसी के अधिकारी भाग लेंगे।

कलेक्टर ने टीमों को ग्रामीणों से सीधे संपर्क करने, संदेह दूर करने, परियोजना की वास्तविकताओं को समझाने तथा स्पष्ट संचार के माध्यम से यथासंभव अधिक से अधिक सहमति पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि आवासीय संरचनाओं का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा। भूमि देने वाले भूस्वामियों को उनके अपने गांवों में ही वैकल्पिक भूखंड देकर मुआवजा दिया जाएगा।

आईआईटी मंडी के इंटीग्रेटेड एमबीए कार्यक्रम के लिए आवेदन अब 3 जून तक

मंडी , एजेंसी। छात्रों को एक डेटा-आधारित और एआई-सक्षम व्यावसायिक दुनिया में प्रबंधकीय और नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, आईआईटी मंडी ने अपने 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड एमबीए कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 3 जून 2025 कर दी गई है। यह अनूठा कार्यक्रम, जो आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा संचालित है, दो डिग्रियाँ प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में बुनियादी व्यवसायिक विषयों को उन्नत एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ जोड़ा गया है।

पेट्रोल पंप पर कम मिले ईंधन तो करें यहां पर सीधी शिकायत

भोपाल। राजधानी में आम उपभोक्ताओं के साथ खुलेआम होने वाली ठगी को रोकने के लिए नापतौल विभाग ने एक टोल-फ्री नंबर जारी किया है। इस पर भोपाल के लोग अब सीधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। भोपाल जिला प्रशासन के अनुसार नापतौल को लेकर अगर किसी दुकानदार द्वारा कम तौल कर सामग्री दी जा रही है, तो उसकी शिकायत लोग सीधे 9111322204 कर सकते हैं। इस नंबर पर वॉट्सअप की सुविधा भी उपलब्ध है। ऐसे में इस नंबर पर शिकायतें विभाग के पास रिकार्ड के तौर पर भी जमा रहेंगी। राजधानीवासी पेट्रोल पंप पर ईंधन कम मिलने, मिठाई दुकानों में कम तौल सहित सब्जी मंडी सहित अन्य तौल संबंधी शिकायतें सीधी कर सकते हैं। राजधानी में सबसे ज्यादा शिकायतें पेट्रोल पंप पर कम ईंधन देने की आती हैं। ऐसे में शिकायत करने पर तत्काल एक्शन होगा।

मोनाको ग्रांड प्रिक्स शुद्ध मोटरस्पोर्ट रॉयल्टी का टाटा प्ले फैनकोड स्पोर्ट्स पर होगा लाईव प्रसारण!

मुंबई, एजेंसी। मोटर रेस के जबरदस्त मुकाबले की दुनिया में आपका स्वागत है। मोनाको ग्रांड प्रिक्स फॉर्मुला 1 के लिए केवल मशहूर ही नहीं है, बल्कि यह इसके सिर का ताज भी है। इस बार रेस का 75वाँ वर्ष होने के कारण यह कई कारणों से खास भी है। मोंटे कार्लो की घुमावदार सड़कों पर मुकाबला करने वाली इस प्रतिष्ठित रेस में सबसे बड़े दिग्गजों की रोमांचक रेस के साथ समुद्री तट के भव्य दृश्यों का आनंद भी मिलता है। चाहे फॉर्मूला 1 की जबरदस्त रेस देखनी हो, या फिर भव्य आसमान का दर्शन करना हो, तीखे मोड़ों पर इतिहास बनते देखना हो या फिर मशहूर सेलिब्रिटीज़ के साथ चमक-दमक और ग्लैमर की दुनिया में खो जाना हो, सभी के लिए एफ1 मोनाको 2025 बिल्कुल उपयुक्त स्थान है। टाटा प्ले की मूल्य संवर्धित सेवा - फैनकोड स्पोर्ट्स पर आपको भव्यता, रोमांच और मोटरस्पोर्ट की इस दुनिया को सबसे आगे बैठकर देखने का अवसर मिलेगा। मोनाको के संकरे, घुमावदार और तीखे मार्ग गलियों में रेस का अद्भुत आभास देते हैं। सर्किट द मोनाको पर वाहन चालकों को अपनी क्षमताएं बढ़ाते रहना जरूरी है। यहाँ पर गलतियों की कोई गुंजाईश नहीं। यह वाहन चालक के कौशल की सबसे कड़ी परीक्षा है। एक पलक झपकी और आप खेल से बाहर। ये टर्बो चार्ज्ड इंजन अद्भुत रूप से शक्तिशाली बन जाते हैं। इस रेस में पूरी दुनिया के मोटरस्पोर्ट प्रेमियों को बेहतरीन अनुभव प्राप्त होता है। एक दूसरे को पीछे छोड़ने के साहसिक कारनामे, जबरदस्त टक्करें और पहले चरण से अंतिम चरण तक अनेकों रोमांचक क्षण देखने को मिलते हैं।

इंस्टिट्यूट ऑफ़ टाउन प्लानर्स इंडिया के मध्यप्रदेश चैप्टर की नई समिति का गठन

भोपाल। इंस्टिट्यूट ऑफ़ टाउन प्लानर्स इंडिया के मध्य प्रदेश चैप्टर के कार्यकाल 2025- 27 के लिए नई समिति का गठन हुआ। समिति के गठन के लिए निर्धारित प्रक्रिया में चुनाव कराया गया। श्री विष्णु खरे अध्यक्ष पद के लिए, डा. के के घोटे उपाध्यक्ष, श्री सुमित गोठी सचिव एवं श्री शुभ्रांशु उपाध्याय कोषाध्यक्ष एवं पद के लिए निर्विरोध सर्व सम्मति से चुने गए। निवर्तमान पदाधिकारियो ने पिछले कार्यकाल की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। श्री विष्णु खरे वर्तमान में जॉइंट डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश मध्य प्रदेश है।

फिर बदल गए सोने के रेट

मुंबई, एजेंसी। मई का महीना बीतने को है और जून का महीना आगमन की तैयारी में है। अगर आप इस हफ्ते सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले 24 मई का ताजा भाव जान लें। आज शनिवार को सोने के भाव में 500 रूपए प्रति 10 ग्राम का उछाल और चांदी की कीमतों में 100 रू प्रति किलो की गिरावट आई है। नई कीमतों के बाद सोने के दाम 98 हजार और चांदी के भाव 99 हजार ट्रेंड कर रहे है। आज शनिवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 24 मई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 90,050 , 24 कैरेट का भाव 98, 230 और 18 ग्राम सोने का रेट 73,680 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 99,900 रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 73 580/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 73, 560/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 73, 600 चल रहा है।चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 100/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 89, 950/- रुपये ।जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 90, 005/- रुपये ।हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 89, 900/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव; पाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98,130 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 98, 230/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 98, 080/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 98,080/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 99, 900 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,10,900/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 99, 900/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

राइज़िंग नोर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट: वेदांता ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रु 80,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की एकमात्र और दुनिया की अग्रणी महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा रूपान्तरण, धातु, विद्युत, तेल एवं गैस और टेक्नोलॉजी कंपनी वेदांता ग्रुप ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रु 80,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। नई दिल्ली में उत्तरपूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्वस्तरीय निवेश सम्मेलन- राइज़िंग नोर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान यह घोषणा की गई। यह निवेश छह उत्तर-पूर्वी राज्यों में महत्वपूर्ण खनिज, रिफाइनिंग सुविधाओं, ऊर्जा, विद्युत संचरण एवं टेक्नोलॉजी सेक्टरों में किया जाएगा। वेदांता, के माध्यम से उत्तरपूर्व में हाइड्रोकार्बन्स की क्षमता के सदुपयोग के लिए सबसे बड़े अन्वेषण एवं विकास प्रोग्रामों में से एक में हिस्सा ले रही है। इसी साल कंपनी ने अडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन के दौरान असम में रु 50,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। आज हाइड्रोकार्बन्स एवं खनिजों के सदन ने राइज़िंग नोर्थईस्ट समिट के दौरान अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मेघालय और मिज़ोरम में रु 30,000 करोड़ के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है।

इस निवेश से क्षेत्र में 1 लाख नौकरियां उत्पन्न होंगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। वेदांता समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने वाली अपनी पहलों के विस्तार के लिए भी प्रतिबद्ध है जैसे नंदघर (आधुनिक आंगनवाड़ियां जो महिला एवं बाल विकास के लिए समग्र केन्द्रों के रूप में काम करती हैं)।

सैमसंग ने एआई वॉश के साथ लॉन्च की बीस्पोक एआई टॉप लोड वाशिंग मशीनें

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी टॉप लोड वॉशिंग मशीन की श्रेणी में बीस्पोक एआई का विस्तार करने की घोषणा की है। यह कदम बीस्पोक एआई फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों को ग्राहकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। नई रेंज कपड़ों की अच्छे से देखभाल करने, बिजली की बचत और आसान इस्तेमाल के लिए एडवांस्ड एआई पावर्ड फीचर्स के साथ आती है। इस विस्तार से सैमसंग ने नए आविष्कारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है, जिससे ग्राहकों को स्मार्ट और आसान धुलाई का अनुभव मिलेगा।

नई टॉप लोड वॉशिंग मशीनें 8केजी, 10केजी, 12केजी और 14केजी की क्षमता में उपलब्ध हैं और इन्हें बीस्पोक एआई के साथ कपड़े धोने का आसान और कुशल अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये मशीनें ब्लैक कैवियार, लैवेंडर ग्रे, और नए लॉन्च किये गये डीप चारकोल व ब्रश्ड नेवी जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं। ये वॉशिंग मशीनें आज के जमाने के आधुनिक घरों की खूबसूरती में और चार-चांद लगाएंगी। एआई वॉश और इसके 3-चरण सेंसिंग सिस्टम से लैस ये मशीनें कपड़े के प्रकार और वजन का पता लगाकर प्रत्येक लोड के लिए सबसे उपयुक्त सेटिंग्स की सिफारिश करती हैं। एडवांस्ड एआई एल्गोरिदम की मदद से, यह वॉश साइकल कई प्रमुख मानकों जैसेकि पानी के स्तर, कपड़े धुलने की तीव्रता, और वॉश व रिंस के समय को समायोजित करता है, जिससे कपड़ों की 25 प्रतिशत अधिक देखभाल होती है। इस टेक्नोलॉजी के साथ, इकोबबल, हाइजीन स्टीम (इनबिल्ट हीटर के साथ), सुपर स्पीड, एआई एनर्जी मोड, स्मार्टथिंग्स इंटीग्रेशन, और एआई वीआरटी+ (वाइब्रेशन रिडक्शन टेक्नोलॉजी) जैसे फीचर्स कपड़ों की सुरक्षा, उनकी बेहतर सफाई, बिजली की बचत, और सुविधाजनक कनेक्टिविटी को बढ़ाते हैं। घुफरान आलम, वाइस प्रेसिडेंट, डिजिटल अप्लायंसेज, सैमसंग इंडिया ने कहा, हमारी बीस्पोक एआई टॉप लोड वॉशिंग मशीनों के लॉन्च से पता चलता है कि हम भारतीय ग्राहकों की लगातार बदल रही जरूरतों को पूरा करने के लिए नए-नए आविष्कार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीस्पोक एआई फ्रंट लोड मशीनों की जबरदस्त सफलता ने इस बात की पुष्टि की है कि लोग एआई से चलने वाले उपकरणों को बहुत पसंद कर रहे हैं। अब हम इस टेक्नोलॉजी को टॉप लोड मशीनों में भी ला रहे हैं। हमारी नई टॉप लोड मशीनों के साथ ग्राहक कपड़ों की बेहतर देखभाल, आसानी और बिजली की बचत का अनुभव कर सकते हैं। वॉश साइकिल को बेहतर बनाने से लेकर बिजली की बचत करने और स्मार्टथिंग्स ऐप से आसान नियंत्रण की सुविधा के साथ, यह रेंज हर दिन कपड़े धोने के काम को स्मार्ट, आसान और आधुनिक लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाने के लिए तैयार की गई है।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च की ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज़, विरासत से प्रीमियम और डिजाइन से मॉडर्न

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज़ को 6.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की। अपने आकर्षक डिज़ाइन, शानदार इंटीरियर और एडवांस्ड फीचर्स के साथ, यह कार प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है। ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज़ प्रीमियम डिज़ाइन, बेजोड़ सुरक्षा, आधुनिक तकनीक और रोमांचक प्रदर्शन पर आधारित है। अपने नए बाहरी लुक, टेक्नोलॉजी से लैस लग्जरी केबिन, बेहतर कनेक्टिविटी और अब पहली बार एएमटी विकल्प के साथ विस्तारित मल्टी-पावरट्रेन लाइन-अप के साथ, ऑल्ट्रोज़ रोज़मर्रा की ड्राइव को खास अनुभव में बदलने के लिए बनाई गई है। ऑल्ट्रोज़ ने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह अपनी श्रेणी में पहली और एकमात्र कार है जिसे 5-स्टार जीएनसीएपी रेटिंग मिली है, जिसने शुरुआत में ही सुरक्षा के नए मानक स्थापित किए। इसी मजबूत नींव के आधार पर, ऑल-न्यू ऑल्ट्रोज़ अब प्रीमियमनेस के एक नए और आकर्षक रूप में सामने आई है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शैलेश चंद्रा के अनुसार, पिछले 5 सालों में हमारी यात्रा तेजी से विकास और बदलाव से भरी रही है। अब, हम वित्त वर्ष 2026 में छोटे कदमों की बजाय एक बड़ा उछाल चाहते हैं। पिछले 3 सालों में 10 लाख से ज्यादा प्रीमियम हैचबैक बिक चुकी हैं, और हमारा मानना है कि हैचबैक भारत के मोबिलिटी क्षेत्र में अहम भूमिका निभाती हैं। आज, हमें प्रीमियम हैचबैक में एक नया अध्याय शुरू करने पर गर्व है, जिसमें ऑल्ट्रोज़ को नए सिरे से पेश किया गया है। 2025 एडिशन ऑल्ट्रोज़ को और आकर्षक बनाता है, जिसमें आधुनिक डिज़ाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और शानदार प्रदर्शन का मेल है। यह कार आज के प्रीमियम हैचबैक ग्राहकों की हर जरूरत को पूरा करती है। उन्हें इस कार में स्टाइलिश लुक, प्रीमियम अनुभव, टेक्नोलॉजी से भरपूर फीचर्स, उन्नत सुरक्षा और सबसे ज्यादा पावरट्रेन विकल्प मिलेंगे। इसका हर हिस्सा सोच-समझकर बनाया गया है ताकि ड्राइविंग का अनुभव बेहतर हो।

बोर्ड परीक्षा परिणाम में जीबी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

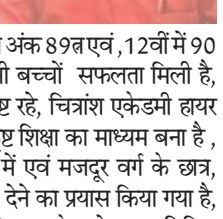

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन शिक्षा विभाग द्वारा दसवीं एवं ,बारहवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम की गई है ,भोपाल अशोक गार्डन स्थित, जी बी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल के, छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जी बी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक, बी एस परिहार ने बताया कि, जी बी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने, अच्छा प्रदर्शन किया है, कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहे ,इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना में भी बच्चों सफलता मिली है, पांचवी एवं आठवीं का परीक्षा परिणाम भी उत्कृष्ट रहे, जी बी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल, इस क्षेत्र के बच्चों के लिए उत्कृष्टशिक्षा का माध्यम बना है , बी एस परिहार ने बताया कि, क्योंकि क्षेत्र में एवं मजदूर वर्ग के छात्र, अध्यनरत है ,इसलिए कम फीस में, उत्कृष्ट शिक्षा देने का प्रयास किया गया है, 1990 में स्थापित, जी बी पंत हायर सेकेंडरी स्कूल के अनेक क्षात्र विभिन्न पदों पर कार्यरत है, शैक्षिक गतिविधियों के साथ यहां पर खेलकूद पर भी बहुत ध्यान दिया जाता है स्कूल के पास स्वयं का बास्केटबॉल वॉलीबॉल कोर्ट है एवं हाल ही में यहां पर क्रिकेट अकादमी की भी व्यवस्था की गई है

परीक्षा में बेहतरीन परिणाम के साथ मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना में भी बच्चों को सफलता मिली है

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन शिक्षा विभाग द्वारा दसवीं एवं ,बारहवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम की गई है ,भोपाल अशोक गार्डन स्थित, चित्रांश एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के, छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया, चित्रांश एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक, दीवान सिंह चौहान ने बताया कि, चित्रांश एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने, अच्छा प्रदर्शन किया है, कक्षा दसवीं में अधिकतम अंक 89न्न एवं ,12वीं में 90 न्न रहे ,इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना में भी बच्चों सफलता मिली है, पांचवी एवं आठवीं का परीक्षा परिणाम भी उत्कृष्ट रहे, चित्रांश एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल, इस क्षेत्र के बच्चों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा का माध्यम बना है , दीवान सिंह चौहान ने बताया कि, क्योंकि क्षेत्र में एवं मजदूर वर्ग के छात्र, अध्यनरत है ,इसलिए कम फीस में, उत्कृष्ट शिक्षा देने का प्रयास किया गया है, 1992 में स्थापित, चित्रांश अकैडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के अनेक क्षात्र विभिन्न पदों पर कार्यरत है।

समर कैंप से निखरती है प्रतिभाएं : आलोक खरे

खेल संचालक ने समर कैंप का किया अवलोकन

छिंदवाड़ा। स्कूल शिक्षा विभाग,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा, जिला बैडमिंटन संघ के मार्ग दर्शन में आयोजित किया जा रहे बैडमिंटन समर कैंप में शिक्षा विभाग के राज्य व राष्ट्रीय स्तर की एस,जी,एफ,आई प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व कर जिले को गौरवान्वित करने वाले बैडमिंटन खिलाड़ियों का सम्मान समारोह ओलंपिक हाल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन हेतु डी.पी.आई. भोपाल संयुक्त संचालक खेल आलोक खरे, डी ई ओ जी .एस .बघेल, ए डी पी सी गिरीश शर्मा, खेल प्रमोटर इंद्रजीत सिंह बैस, जिला क्रीड़ा प्रभारी प्रताप इवनाती विशेष रूप से उपस्थित हुए। अतिथियों ने प्रशिक्षणर्थी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला अफजाई की। श्री खरे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास कर खेल में निखार लाने हेतु प्रेरित किया तथा प्रशिक्षको के योगदान व प्रयासों की सराहना की, उन्होंने विगत वर्षों में विभाग द्वारा छिंदवाड़ा में आयोजित की गई राज्य व राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता के सफल आयोजन व संचालन की प्रशंसा करते हुए आगे भी ऐसे आयोजन छिंदवाड़ा को सौपे जाने हेतु भरपूर प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले 15,उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उन्होंने मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव एवं कोच जावेद खान एवं आभार प्रदर्शन संयुक्त सचिव व वरिष्ट प्रशिक्षक राकेश चौरसिया द्वारा किया गया।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (24 मई ङ्क 28 मई 2025) घने से मध्यम बादल रहने एवं दिनांक 24.05.2025-26.05.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (50-60 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश एवं दिनांक 28.05.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 23-25 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 74-80 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 38-43 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पश्चिम, पूर्व एवं दक्षिण दिशाओ में बहने एवं 05-12 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

पर्यटकों के मन को भा रहा है सैला नृत्य

सैला नृत्य से सावरवानी सहित पर्यटन ग्रामों में मिला रोजगार, हो रही अतिरिक्त आय

छिन्दवाड़ा। आदिवासी अंचल में तीज-त्यौहारों पर होने वाला सैला नृत्य अब छिंदवाड़ा आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को बेहद भा रहा है। सैला नृत्य सिर्फ मनोरंजन का नहीं बल्कि आय का साधन बन गया है और पर्यटन ग्रामों में सैला नृत्य करने वाले दल इसका प्रदर्शन करके हजारों रूपए की आय ले रहे हैं, जिसका उदाहरण है मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किया गया पर्यटन ग्राम सावरवानी। यहां के सैला नृत्य दल ने बीते दो साल में नृत्य प्रदर्शन करके करीब दो लाख रूपए की आय अर्जित की है, जो अनूठा रिकार्ड है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह व जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पर्यटन विकास के लिए कई अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कुछ समय पूर्व ग्राम सावरवानी के नृत्य दल को वेशभूषा के लिए जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद से मदद दी गई और इसके बाद दल ने अपनी प्रतिभा के बूते नाम और दाम दोनों कमाए हैं। टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित पर्यटन ग्राम सावरवानी की सैला डांस की टीम ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से न केवल ग्राम की संस्कृति को प्रदर्शित किया है, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूर्व सांसद नकुलनाथ के नाम से बनाई फर्जी आईडी

छिन्दवाड़ा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के नाम से सोशल मीडिया पर फर्जी आइडी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बनाकर संचालित की जा रही है। उक्त व्यक्ति कांग्रेस अथवा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग का नहीं हैं। वह कांग्रेस के किसी भी मोर्चा संगठन, विभाग व प्रकोष्ठ से भी नहीं जुड़ा है। उक्त फर्जी आइडी से लगातार दुष्प्रचार किया जा रहा है जो कि एक गम्भीर अपराध की श्रेणी में आता है। कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग छिन्दवाड़ा के द्वारा सिटी कोतवाली में एक लिखित शिकायत प्रस्तुत कर नकुलनाथ जी के नाम से संचालित की जा रही फर्जी आईडी को बंद करने के साथ ही आईडी बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी के नाम प्रस्तुत शिकायत में उल्लेख किया गया है कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सोशल मीडिया फेसबुक पर नकुलनाथ के नाम से एक आईडी बनाई गई है। आईडी में मो. 9425174362 का उपयोग किया गया है। उक्त फर्जी फेसबुक आइडी के माध्यम से महिलाओं को संदेश भेजकर उन्हें कांग्रेस में पद देने का प्रलोभन देकर गुमराह किया जा रहा है जो कि पूर्णतः गलत व आपराधिक है। कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष धीरज सूर्यवंशी के द्वारा जब उक्त व्यक्ति को फोन किया गया तो उसने फोन तो उठाया किन्तु कोई जवाब नहीं दिया और फोन काट दिया। कोतवाली पुलिस थाना में शिकायत करने पहुंचे सुरेश कपाले, नितिन उपाध्याय, गौरव परते, स्वप्निल शर्मा, सचिन दुबे ने पुलिस से मांग की है कि तत्काल साइबर सेल के माध्यम से उक्त आईडी को बंद किया जाए।

साउथ फिल्म इंडस्ट्रीज को भाया है तामिया और पातालकोट

तामिया में शुरू होगी तेलगू फिल्म भार्गवी की शूटिंग

छिंदवाड़ा। जिले में पर्यटन विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और इस कड़ी में मध्य प्रदेश पर्यटन दिवस के अवसर पर शनिवार को एक तेलगू फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जिला प्रशासन के सहयोग से करीब 25 दिनों तक चलने वाली तेलगू फिल्म भार्गवी की शूटिंग के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा।

कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह व जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पर्यटन विकास के लिए कई अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। साऊथ फिल्म इंडस्ट्री से छिंदवाड़ा आ रहे प्रोड्यूसर, डायरेक्टर व फिल्मों की टीम से जुड़े कलाकारों व तकनीकि सहयोगियों को सुरक्षित माहौल और बिना परेशानी के फिल्म अनुमति व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रहीं हैं, जिससे साऊथ फिल्म इंडस्ट्री को छिंदवाड़ा और यहां का हिल स्टेशन तामिया और पातालकोट भा गए हैं। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड व जिला प्रशासन के संवेदनशील रूख के कारण तामिया में तेलगू फिल्मों की शूटिंग का सिलसिला आगे बढ़ रहा है और शनिवार से तामिया में तेलगू फिल्म भार्गवी की शूटिंग शुरू होने जा रही है। साउथ के जाने माने निर्देशक निर्माता जी अशोक इस फिल्म की शूटिंग करेंगे, जिसमें कई बेहतरीन कलाकार हिस्सा लेंगे। बता दें कि जी अशोक ने दुर्गामती, भागमती, कुछ खट्टा हो जाए और चित्रांगदा जैसी बड़ी फिल्में बनाईं हैं। इस फिल्म से निर्देशक वाई एस श्रीनिवास वर्मा भी जुड़े हैं, जो साऊथ फिल्म इंडस्ट्री के बड़े निर्देशक के रूप में पहचाने जाते हैं। तामिया में फिल्म की शूटिंग के व्यवस्था से जुड़े लाइन प्रोड्यूसर उमर गुल खान ने जानकारी दी कि भार्गवी की शूटिंग के दौरान तामिया, पातालकोट, पर्यटन ग्राम काजरा की ज्यादा से ज्यादा लोकेशन दिखाई जाएगी और तामिया, छिंदवाड़ा के लोगों को रोजगार दिया जाएगा। स्थानीय कलाकारों, बढ़ई, केटरर, होटल, ट्रेवल्स को रोजगार से जोड़ने वाले श्री खान इसके पहले तामिया में फीचर फिल्म तपिंच कोलेरू व ओटीटी वेब सीरिज सरपंच साहब के साथ कई वीडियो एलबम कर चुके हैं। तेलगू फ़िल्म भार्गवी का तामिया में शूटिंग शेड्यूल 25 दिनों का होगा।

नरसिंहपुर के कृषि उद्यम समागम को लेकर नेताओं से चर्चा

छिंदवाड़ा। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शनसिंह के निर्देशानुसार नरसिंहपुर प्रवास के दौरान, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री व संभाग प्रभारी संजय सक्सेना, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व नरसिंहपुर जिला प्रभारी सन्दीप रघुवंशी ने उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आगामी 26 मई को नरसिंहपुर नगर में होने जा रहे कृषि उद्यम समागम 2025 के कार्यक्रम हेतु, पूर्व तैयारी हेतु जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में, किसान मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक बैठक में भाग लिया साथ ही कार्यक्रम के निमित्त नरसिंहपुर करेली मार्ग पर बन रहे हेलीपेड का दौरा भी किया। इस अवसर पर नरसिंहपुर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले जी एस डी एम सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। करेली नगर में पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी से उनके निवास पर पहुंचकर, भेट की एवं उनका हालचाल जाना। उनसे सागर देवरी करेली अमरवाड़ा छिंदवाड़ा प्रस्तावित रेलमार्ग एवं नरसिंहपुर अमरवाड़ा छिंदवाड़ा सौंसर सावनेर फोरलेन सड़क मार्ग की शीघ्र स्वीकृति के संबंध में भी चर्चा की गई। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रल्हादसिंह पटेल से उनके नरसिंहपुर कार्यालय में पहुंचकर भेंट की।

प्रदेश की सभी नदियों के उद्गम स्थलों को पर्यटक स्थल बनाया जाएगाः प्रहलाद पटेल

ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल नदियों के उद्गम स्थल जा रहे है उन्होने बताया कि प्रदेश की सभी नदियों के उद्गम स्थलों को चिन्हित कर उन्हे पर्यटक स्थल बनाया जावेगा।

ससुर की हत्या के दोषी दामाद को आजीवन कारावास

न्यायालय ने दोषी को अर्थदंड से भी दंडित किया

छिंदवाड़ा। अपर सत्र न्यायाधीश जुन्नारदेव महेंद्र मांगोदिया द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 25/2024 थाना जुन्नादेव के अपराध क्रमांक 289/2024 में निर्णय पारित करते हुए आरोपी असन लाल परतेती पिता गजनलाल परतेती उम्र 46 साल निवासी ग्राम ढाला पठार खमराकला थाना जुन्नादेव,जिला छिंदवाड़ा को अपने ससुर बिस्तुलाल धुर्वे की हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं 5000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किए जाने का निर्णय पारित किया गया है।प्रार्थिया का पति असनलाल घर के बाजू वाले कोठे में बिस्तुलाल और असनलाल के मध्य वाद विवाद चल रहा था फिर बाद में अचानक आवाज आना बंद हो गई प्रार्थियों ने जाकर देखा तो बिस्तुलाल खटिया के नीचे पड़े थे सर के पास से खून निकल रहा था और पास में ही घर की कुल्हाड़ी जमीन पर पड़ी हुई थी जिस पर खून लगा था प्रार्थीया ने देखा कि उसके पिता बिस्तुलाल की मृत्यु हो चुकी थी उसके पिता बिस्तुलाल की कुल्हाड़ी से मारकर पति असन लाल ने ही हत्या की थी पुलिस द्वारा घटना स्थल पर पहुंच कर संगीता परतेती के बताएं अनुसार देहाती नालिसी लेख कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जिस पर प्रार्थी ने बताया कि उसके पति असनलाल घर जमाई थे और ससुर मृतक बिस्तुलाल के घर ग्राम मोहरिया में निवास कर रहा था बात-बात पर वह अपनी पत्नि प्रार्थियों के साथ गाली-गलौच करता था जिससे परेशान होकर बिस्तुलाल उन्हें मना करते थे इसी से गुस्से में आकर वाद विवाद के दौरान असन लाल ने ससुर बिस्तुलाल की कुल्हाड़ी से वार कर सिर पर चोट पहुंचाई जिससे उसकी मृत्यु हो गई। न्यायालय मे विचारण उपरांत आरोपी असनलाल को धारा 103(1) क्वहस्के तहत दोष सिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास एवं 5000 रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया । प्रकरण में संपूर्ण विवेचना जुन्नारदेव थाना प्रभारी राकेश बघेल द्वारा की गई एवं मध्य प्रदेश राज्य की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक पंकज श्रीवास्तव द्वारा की गई।

सड़क हादसे में पत्नि की मौत पति घायल

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव तहसील के अंतर्गत सड़क हादसे में नई नवेली दुल्हन की जान चली गई महिला की 25 दिन पहले ही शादी हुई थी। शुक्रवार की दोपहर हादसा उस वक्त हुा जब निकिता अपने पति और सास के साथ ट्रक्हीलर से ससुराल लौट रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जुन्नारदेव से उमरघोड़ टप्पा ढाना गांव जा रहे परिवार को चटुआ पुलिस के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि निकिता के सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई वहीं पति राजेश और सास गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी राकेश बघेल ने बताया कि निकिता और राजेश की शादी 27 अप्रैल को एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी।

सांसद ने सेवाग्राम और दादाधाम ट्रेन शुरू करने का रखा प्रस्ताव

मध्य रेलवे द्वारा सांसदों की मंडल स्तरीय बैठक में शामिल हुए सांसदसांसद ने छिंदवाड़ा और पांढुर्णा की रेल सुविधाओं का मुद्दा उठाया

छिंदवाड़ा। मध्य रेलवे नागपुर में सांसदों की मंडल स्तरीय बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। जिसमें सांसद बंटी विवेक साहू ने शामिल होकर छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा जिलें में संचालित हो रहे रेलवे स्टेशनों में यात्रियों एवं जनप्रतिनिधियों से मिल रही समस्याओं का मुददा उठाते हुए रेल सुविधाओं में बढ़ोत्तरी की मांग रखी। इन मुददों पर रेल अधिकारियों ने अपने जबाव प्रस्तुत किए। रेल को पुनः शुरू करने, छिंदवाड़ा से मुंबई की कनेक्टिविटी बढ़ाते हुए सेवाग्राम एक्सप्रेस को छिंदवाड़ा तक बढ़ाने, पांढुर्णा रेलवे स्टेशन में आरओबी के निर्माण और पांढुर्णा स्टेशन में अन्य ट्रेनों के स्टापिज की मांग के साथ ही छिंदवाड़ा से ठिसगोरा तक नई रेल लाईन का डीपीआर तैयार करने सहित अन्य प्रस्ताव रखे। उन्होंने छिंदवाड़ा शहर में बनने वाले दो रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का मुददा उठाते हुए बताया गया कि यदि यह ब्रिज बन जाते है तो रेलवे को आर्थिक लाभ होगा व उनका मेनपवार भी कम लगेगा एवं नागरिकों को सुविधा होगी। जिसमें रेलवे अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वर्क्स प्रोग्राम 2024-25 में लागत साझाकरण आधार पर 50-50 प्रतिशत की भागीदारी का प्रस्ताव प्रस्तावित कर दिया गया है जिस पर उचित कार्यवाही की जायेगी।

गांगीवाड़ा रेलवे स्टेशन का उठाया मुददा

सांसद ने गांगीवाड़ा रेलवे स्टेशन की समस्याओं का मुददा उठाते हुए बताया कि यहां पर यात्रियों के लिए पीने का पानी उपलब्ध नहीं है साथ ही यात्रियों को बैठने के लिए बेंच,शेल्टर,वाटर स्टेंड बनाया जाए, यहां पर महिला एवं पुरूष दिव्यांग शौचालय भी नहीं है। जिसके जबाव में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यात्रियों के लिए पेयजल सुविधा हेतु बोरिंग का काम प्रगति पर है, उच्च स्तर के प्लेटफार्म का प्रावधान जिसमें शौचालय ब्लॉक, पानी के स्टैण्ड, बैठने की व्यवस्था और दिव्यांगों के लिए सभी सुविधाओं के साथ दूरसंचार सुविधाएं प्रदान करने का कार्य अम्ब्रेला 2024-25 में प्रस्तावित किया गया है।

परासिया क्षेत्र के स्टेशनों में सुविधाएं बढ़ाने की रखी मांग

सांसद साहू ने परासिया क्षेत्र के रेलवे स्टेशन की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया कि परासिया,जुन्नारदेव,नवेगांव एवं बोरदेही में पातालकोट गाड़ी के कोच प्लेटफार्म के बाहर निकल जाते है जिससे यात्रियों को चढ़ने उतरने में दिक्कत होती है। यहां पर प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने की आवश्यकता है। परासिया रेलवे स्टेशन में पुरूष शौचालय की एक सीट चोक होने के कारण यहां अत्याधिक दुर्गन्ध आती है। साथ ही यहां पर सीनियर सिटीजन यात्रियों के लिए लिफ्ट लगाना आवश्यक है। जिसके जबाव में अधिकारियों ने बताया कि परासिया एवं जुन्नारदेव स्टेशनों पर प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने का कार्य प्रगति पर है। परासिया स्टेशन में सीवरेज लाईन साफ कर दी गई है। जुन्नारदेव स्टेशन पर लिफ्ट का कार्य स्वीकृत है इसे जल्द ही संपादित किया जायेगा। उन्होंने परासिया,जुन्नारदेव,हिरदागढ़ स्टेशनों में कुली के नहीं होने से यात्रियों को हो रही परेशानी को बताते हुए यहां पर कुली नियुक्त करने की मांग रखी जिस पर अधिकारियों ने बताया कि परासिया रेलवे स्टेशन में एक कुली नियुक्त है अन्य स्टेशनों में भी कुली नियुक्त करने की प्रक्रिया जल्द की जायेगी।

बोरदेही में यात्रियों को हो रही परेशानियों से कराया अवगत

सांसद श्री साहू ने बोरदेही रेलवे स्टेशन की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया जिसमें यात्री प्रतिक्षालाय बनाने, नया एफओबी बनाने एवं वाटर कूलर की मांग रखी जिस पर अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन पर जल्द ही वाटर कूलर लगाया जा रहा है। अन्य मांगों पर शीघ्र ही निर्णय लिए जाएगें। उन्होंने हिरदागढ़ में पातालकोट ट्रेन के स्टापिज की मांग रखी।

हमारे जिले में है जैव विविधता की प्रचुर संभावना मात्रा में है इसे करना होगा संरक्षितः विनोद तिवारी

यदि हमें अपना अस्तित्व बचाना है हो जैव विविधता को विलुप्त होने से बचाना होगाः भवानी प्रसाद

छिंदवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2025 को बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति छिंदवाड़ा के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल (वन विभाग) के सहयोग से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मोहखेड़ के सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जिसमे राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी विनोद तिवारी,जन अभियान परिषद मोहखेड़ के ब्लाक समन्वयक भवानी प्रसाद कुमरे , शिक्षा विभाग से बी ए सी,अरविंद भट्ट,मनोज कोलारे सहित युवा जन उपस्थित थे।कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के परामर्श दाताओं में कैलाश सोनेवार,आरती माटे ,राजेश धारे, दिनेश नारेकर भी उपस्थित थे।कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के उपलक्ष में मार्गदर्शन देते हुए बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति के अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा की हमे आज संकल्पित होना होगा कि जितने भी हमारी जैव विविधताएं हैं उनके संरक्षण के लिए हमारे सक्रिय प्रयास होगे। उन्होंने कहा कि हमारी जितनी भी नदी ,नाले ,पर्वत पहाड़ ,जीव जंतु सहित समस्त आंखों से दिखने वाली एवं ना दिखने वाली ऐसी सभी चीज जो जैव विविधता की श्रेणी में आती है उनके संरक्षण के लिए हम सभी के प्रयास सतत रहेंगे उन्होंने सभी को जीव जंतु पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए सभी के योगदान के लिए आह्वान किया उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल के सहयोग से आयोजित जैव विविधता दिवस में छिंदवाड़ा जैसे स्थलों में भी जैव संरक्षण के लिए जो सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया है उसे हम अपने जिले की जैव विविधता को संरक्षित करने में पूरा योगदान देगे। कार्यशाला में मार्गदर्शन देते हुए जन अभियान परिषद के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर भवानी प्रसाद कुमरे ने कहा कि हमारा सौभाग्य की हम जिस क्षेत्र में हैं वहां से देवगढ़ का किला करीब है यहां वन संपदा प्रचुर मात्रा में है और उनमें पाए जाने वाले जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए हम सब सतत प्रयास कर रहे हैं आज विश्व जैव विविधता दिवस पर हम सभी संकल्प लेते हैं कि हम अपने जैव विविधता के संरक्षण के लिए पूरा प्रयास करेंगे कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से बीएससी अरविंद भट्ट ने कहा कि हमें जैव विविधता देखना है तो हमें जंगल के अनेक पक्षियों पेड़ पौधों वहां की वनस्पतियों सहित समस्त क्षेत्र में जो बड़ी संख्या में विलुप्त हो रही है वे सभी प्रजातियों को बचाने की आवश्यकता है और इसके लिए राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल के द्वारा जो मार्गदर्शन मिला है इससे हम जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए पूरा प्रयास करेंगे उन्होंने दीमक का उदाहरण देते हुए कहा की दीमक कैसे अपना घर बनाती है और कैसे वहां हमें जैव विविधता सब दिखती है यह हमारे लिए सीखने वाली बात है।

शालेय खेल गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा हेतु संभागीय बैठक

छिंदवाड़ा। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में जबलपुर व शहडोल संभाग के क्रीडा अधिकारियों की बैठक का आयोजन खेल युवक कल्याण विभाग के हॉल में किया गया बैठक की अध्यक्षता संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल आलोक खरे ने की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल ,सहायक संचालक खेल जबलपुर संभाग आशा सिसोदिया, सहायक संचालक खेल शहडोल संभाग रईस अहमद सहित संभागों के जिला क्रीड़ा अधिकारी व खेल विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सत्र 2025 -26 में होने वाली जिला ,राज्य व राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिताओं को व्यवस्थित संचालित किए जाने हेतु रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के आरंभ में डीईओ श्री जी एस बघेल ने स्वागत भाषण व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संयुक्त संचालक डीपीआई भोपाल श्री आलोक खरे ने निर्देश दिए की खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराना होगा, इसके अभाव में वे प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो सकेंगे । जिला व विकासखंड स्तर की प्रतियोगिताओं को आयोजित करने के पूर्व संकुल प्राचार्य व विकासखंड शिक्षा अधिकारी के साथ बैठक कर आगामी रूपरेखा तय करने की निर्देश दिए । आगामी सत्र में 15 जुलाई से 30अगस्त तक जिला स्तर 15 अगस्त से 30सितंबर तक राज्य तथा नवंबर माह के अंत तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा। बैठक में प्रभारी जिला क्रीड़ा प्रताप सिंह इवनाती,आशा लता माहुले, राकेश चौरसिया, संजीव आनदेव ,आनंद गिरिपूंजे, उर्मिला उपाध्याय, फिरोज खान सहित विभिन्न विकास खंड के खेल प्रभारी व खेल शिक्षक उपस्थित रहे।

जल गंगा संर्वधन अभियान के तहत हुई जनपद दमोह में बैठक जल निगम पर सरपंचों ने नाराजगी व्यक्ति की क्योंकि उनकी ग्राम पंचायत में नहीं पहुंच रहा पानी ग्रामवासी हो रहे परेशान

दमोह। जनपद पंचायत दमोह में जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जनपद अंतर्गत आने वाले जनप्रतिनिधि और सरपंचों की उपस्थिति रही.

इस दौरान लकलका सरपंच ने बताया कि हम सभी सरपंच और बीडीसी और जनपद प्रतिनिधियों को को बुलाया गया था पानी के बारे में उनने चर्चा की इस दौरान जो जल निगम से अधिकारी आए थे उनका कहना था की जहां पानी जाता है उन सरपंचों से बात करेंगे जहां पानी नहीं जाता उन सरपंच से बात नहीं करेंगे इस दौरान लकलका सरपंच ने यह भी कहा कि हमारे यहां दुल्हन डाली है वह पानी की लाइन अभी तक पानी की टंकी में कनेक्ट ही नहीं हुई है जिसके कारण पानी नहीं पहुंच पा रहा और हम लोगों को पानी भी नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण हम लोग अभी तक नदी का गन्दा पानी पी रहे है

इस दौरान तेजगढ खुर्द सरपंच मोहन सिंह ने बताया कि आज जनपद में जल निगम की बैठक बुलवाई थी जो जल की समस्या को लेकर सभी

सरपंच आए थे आए थे जिसमें ग्राम पंचायत की बहेरा और तेजगढ़ में पानी बिलकुल नहीं जा रहा है जहां पर बहुत खराब स्थिति है लगभग दो माह से पानी नहीं पहुंचा रहा है जिसके कारण पानी की टंकी नहीं भर पा रही और जो टंकी बनी हुई है वह बड़ा है बनी हुई है और तेजगढ़ बड़ा गांव होने की नाते उनको वहां पर कनेक्शन देना थे जहां पर बैठक में आने की समस्या को लेकर बात रखी गई जिसमें जलने का मुख्य अधिकारियों द्वारा सम्मानजनक बात नहीं कही गई हर बार की तरह कह दिया कि करेंगे.

इस दौरान ग्राम पंचायत खिरिया मंडला के सरपंच शेखर राठौर ने बताया कि जल निगम की बैठक में जल निगम के जो अधिकारी है उनसे मेरे द्वारा कहा गया कि पानी की बहुत समस्या है इस दौरान जो पानी टंकी का निर्माण चल रहा है वह काम स्पीड से नहीं कर रहे हैं इस दौरान मेरे द्वारा कहा गया है कि मेरी गांव के लोग बोलते हैं टैंकर चालू करवा लो जिसकी बात मेरे द्वारा अधिकारियों से रखी गई इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि टैंकर की परमिशन नहीं देंगे इसके लिए पैसे नहीं है इस दौरान बैठक में अधिकारियों ने कहा कि हम तो उन्हीं से बात करेंगे जहां पानी जा रहा है और जहां नहीं जा रहा उनसे बात नहीं करेंगे और जिन पंचायतो में पानी जा रहा है वह पैसे नहीं देंगे तो उनके पांचवे वित्त से पैसे कटेंगे. जल गंगा मिशन के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें जल निगम के अधिकारी और जनपद के सरपंच आए थे जल की संरक्षण के संबंध में चर्चा की गई जिसमें कुछ सरपंचों की जल निगम के प्रति आपत्ती थी जिसमें उनका सूचित करते हुए उनकी समस्या का जल्द से जल्द में आपका किया जाएगा टैंकर से पानी का दुरुपयोग की संभावना रहती है टैंकर की परमिशन नहीं दे सकती और टैंकर प्रतिबंधित भी है और संसाधनों से पानी प्राप्त किया जाएगा।

हलधर मिश्रा सीईओ जनपद पंचायत दमोह

लाइन में कई जगह डैमेज होने के कारण एवं लाइन में से पानी की चोरी होने के कारण पानी की टंकी बहेरा में पानी नही पहुंच पा रहा है और अगर किसी भी क्षेत्र में पानी की चोरी होती है इसका प्रभाव सभी जगह पड़ता है इस गर्मी में 15 से 20 कंप्लेंट आ चुकी है चोरी की जिसकी अलग-अलग थाने में चोरी की कंप्लेंट की गई है और लकलका गांव के अन्दर पी एच ई विभाग का नेटवर्क है हमारा कोई नेटवर्क नहीं है हम सिर्फ वहा की पानी टंकी भरते हैं।

इस संबंध में पी एच ई विभाग के ई. ई. जीएस रावत का कहना है कि हमारे द्वारा पंचायत को टंकी हैंडोवर कर दी गई है वह स्वयं टंकी भरने के लिए सक्षम है और अगर कोई लीकेज है तो उसका साधारण संचालन करने का कार्य पंचायत करवाएगी।

31 मई को जंबूरी मैदान में महिला महासम्मेलन

पीएम मोदी के कार्यक्रम की महिलाओं के हाथ में होगी कमान, सिंदूरी साड़ी में होगा नया नेतृत्व

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को जंबूरी मैदान में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। इस आयोजन में दो लाख से अधिक बहनों के शामिल होने की संभावना है। भाजपा नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सम्मेलन की हर जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपी जाएगी। इसके लिए 2000 बहनों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। उनका ड्रेस कोड एक जैसा रखा जाएगा ताकि एकरूपता का संदेश जाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और संगठन महामंत्री हितानंद जी ने भोपाल जिले की बैठक में कार्यकर्ताओं से रचनात्मकता और उत्साह के साथ जुटने का आह्वान किया। शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के 'वूमन-लेड डेवलपमेंट' के विजन को साकार करेगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर और रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी प्रधानमंत्री की नीति का प्रमाण हैं।

सिंदूरी साड़ी में दिखेगा संगठन का नया स्वरूप

सम्मेलन में महिलाएं सिंदूरी साड़ी में मंच और आसपास की जिम्मेदारियां निभाएंगी। इन महिलाओं को यह कार्यभार दिया गया है। इसमें मंच संचालन, आभार प्रदर्शन, भोजन एवं पेयजल व्यवस्था, वाहन और पार्किंग की व्यवस्था, बैठक और आगंतुक प्रबंधन का काम संभालेगी। इनके लिए समान सिंदूरी रंग की साड़ी भाजपा संगठन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि सम्मेलन की हर जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपी जाएगी। इसके लिए 2000 बहनों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। उनका ड्रेस कोड एक जैसा रखा जाएगा ताकि एकरूपता का संदेश जाए। संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने कठिन समय में सुशासन, स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण की मिसाल पेश की। प्रदेश भर में 21 से 31 मई तक उनके सम्मान में कार्यक्रम होंगे। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी व अहिल्याबाई के महिला सशक्तीकरण कार्यों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने चित्रकूट की पवित्र धरा पर हो रहे भ्रष्टाचार, निजीकरण और सांस्कृतिक विनाश को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हैं। एक ओर तो सरकार रामराज्य की बात करती है, दूसरी ओर उन्हीं के नाम पर बनी संस्थाएं आज भ्रष्टाचार और अराजकता की जीती-जागती मिसाल बन चुकी हैं।

किसानों के लिए खुशखबर, सरकार से मेन रोड पर मिलेगा प्लॉट, 15 जुलाई से शुरू होगी रजिस्ट्री

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट तेजी से आकार ले रहा है। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआइडीसी) ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों की जमीन इस प्रोजेक्ट के लिए ली जाएगी, उन्हें उसी गांव में विकसित प्लॉट दिए जाएंगे। 15 जुलाई, 2025 से सहमति देने वाले किसानों की रजिस्ट्री शुरू होगी, और सभी जमीन मिलने के तीन साल में प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य है। 19.4 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र को इंदौर से जोड़ेगा। 1,290.74 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस प्रोजेक्ट की लागत 2,124.80 करोड़ रुपये है। इसमें टीही, कन्नड़, भैसलाय, सोनवाय, देहरी, बागोदा, मोकलाय, नरलाय, शिवखेड़ा, सिंदौड़ी, श्रीराम तलावली, नावदा पंथ, बिसनावदा, रिंजलाय, नैनोद, कोर्डियाबर्डी जैसे 17 गांव शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट क्षेत्र में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

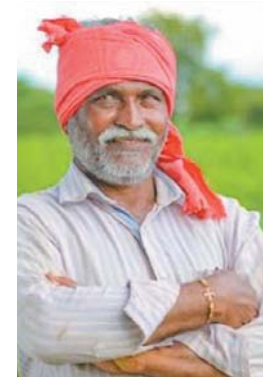

किसानों को देंगे 60 प्रतिशत विकसित भूखंड

इस प्रोजेक्ट में पहली बार सरकार जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को 60 प्रतिशत विकसित भूखंड देगी, जो इंदौर विकास प्राधिकरण की 50 प्रतिशत की पेशकश से अधिक है। जिन किसानों की 6 बीघा से अधिक जमीन होगी, उन्हें मुख्य सड़क पर प्लॉट मिलेंगे, जबकि छोटे भूखंड वालों को उसी गांव की चौड़ी आंतरिक सड़क पर प्लॉट दिए जाएंगे। इस घोषणा के बाद किसानों ने रुचि दिखाई, और अब तक 100 हेक्टेयर जमीन की सहमति मिल चुकी है।

धीमी गति पर डीएम की नाराजगी

इंदौर के डीएम आशीष सिंह ने गुरुवार को समीक्षा बैठक में प्रोजेक्ट की धीमी गति पर चिंता जताई। बैठक में एमपीआइडीसी के कार्यकारी निदेशक हिमांशु प्रजापति, एसडीएम गोपाल वर्मा और निधि वर्मा मौजूद थे। प्रजापति ने बताया कि 100 हेक्टेयर जमीन की सहमति मिल चुकी है, लेकिन कलेक्टर ने इसे अपर्याप्त बताते हुए काम तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने और सरकारी जमीन को जल्द एमपीआइडीसी के नाम करने को कहा।

किसानों की शंकाएं और समाधान

एसडीएम ने बताया कि किसानों ने जमीन का दौरा किया है और ज्यादातर सहमत हैं, लेकिन वे पूछ रहे हैं कि प्लॉट कहां मिलेंगे, रजिस्ट्री कब होगी, और प्रोजेक्ट कब पूरा होगा। कुछ का कहना है कि अगर प्रोजेक्ट में देरी हुई तो वे खेती से भी वंचित हो जाएंगे। कलेक्टर ने इन शंकाओं को दूर करने और किसानों का भरोसा जीतने पर जोर दिया। एमपीआइडीसी ने आश्वासन दिया कि 15 जुलाई तक रजिस्ट्री शुरू करने की स्थिति बन जाएगी।

अतिथि विद्वानों को सहायक प्रोफेसरों की भर्ती में अपने अनुभव का कोई फायदा नहीं मिला

भोपाल। प्रदेश में चुनाव आने पर सरकार अतिथि विद्वानों के साथ नियमित करने के तमाम बड़े वादे तो कर लिए। लेकिन, सत्ता मिलने के बाद उनकी पीड़ा को भुला दिया। शिवराज सरकार में अतिथि विद्वानों की पंचायत में की गई घोषणाएं अब तक अधूरी है। अब उनको ट्रांसफर से बाहर करने की सरकार की तैयारी है। जबकि, वे शैक्षणिक सत्र

2002-03 से कालखंड से सेवा देते आ रहे हैं। सहायक प्रोफेसर परीक्षा 2017 में इन्हें 400 अंकों की ऑनलाइन परीक्षा में 5 साल पढ़ाने के बदले केवल 20 अंक दिए गए थे। सन 2022 की 900 अंकों की ऑफलाइन परीक्षा में भी 20 अंक देने का प्रावधान किया गया। सन 2024 की सहायक प्रोफेसर परीक्षा में तो इनको पंचायत में की गई घोषणाओं के अनुसार 25त्न शैक्षिक आरक्षण दिया गया। यह आरक्षण जिसने एक साल पढ़ाया है, उसे और जिसने 25 साल पढ़ाया है उसके लिए एक समान रखा गया। जिससे 20 से 25 साल अनुभवी अतिथि विद्वानों के जीवन के साथ एक तरह से छल है। अनेक अतिथि विद्वान अधेड़ उम्र हो चुके हैं।

25 साल बाद भी हमें अतिथि बनाकर शोषण कर रहे

मध्य प्रदेश अतिथि विद्वान नियमितीकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुरजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि देश के अनेक भाजपा शासित राज्यों में अतिथि विद्वानों को नियमित करके यूजीसी के अनुसार वेतन और सुविधाएं दी जा रही है। लेकिन, मध्य प्रदेश में 25 साल बाद भी हमें अतिथि बनाकर शोषण किया जा रहा है। संघर्ष मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शंकरलाल खरवाडिया का भी कहना है कि 50 से 55 साल की उम्र होने पर अतिथि विद्वान कैसे नए अभ्यर्थियों से पीएससी में मुकाबला करेंगे। जब पढ़ने की उम्र थी, तब भर्ती नहीं की गई। पिछली दो भर्तियों में ढाई से पांच प्रतिशत अनुभव के अंक देकर समझा दिया गया। उच्च शिक्षितों का इस तरह से शोषण समाज के लिए एक तरह से अभिशाप है।

आज 47 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट, नौतपा में भी होगी बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार नौतपा में भी पानी बरसेगा। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन यानी, मई के आखिरी सप्ताह में भी आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत कुल 47 जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश होने का अलर्ट है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की एक्टिविटी है। इस वजह से आने वाले सात दिन तक प्रदेश में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में एक साथ एक्टिव कई सिस्टम की वजह से लगातार बारिश का दौर जारी है। खास बात यह है कि इस बार मई महीने में भी मध्य प्रदेश में सावन भादो जैसी बारिश हो रही है। इस बार नौतपा में भी पानी बरसेगा। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन यानी, मई के आखिरी सप्ताह में भी आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

ऐसा रहेगा आज का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, दमोह, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, मैहर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, धार, झाबुआ और अलीराजपुर में हल्की बारिश और आंधी का अलर्ट है। वहीं, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, श्योपुर, मुरैना, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में मौसम साफ रह सकता है। उज्जैन, रतलाम, शाजापुर, देवास, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल, सीधी, सिंगरौली में तेज आंधी चलेगी। जिसकी रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

इसलिए हो रही बारिश

मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की एक्टिविटी है। इस वजह से आने वाले सात दिन तक प्रदेश में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

नौतपा कल से, इसका धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व भी

हर साल ज्येष्ठ महीने की शुरुआत में नौतपा शुरू होता है। इस साल नौतपा की शुरुआत 25 मई से होगी, जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा। यह अवधि नौ दिनों तक चलेगी और इसका समापन 8 जून को होगा, जब सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। वैसे तो नौतपा के शुरुआती 9 दिन सबसे गरम होते हैं, लेकिन ये 15 दिन की अवधि होती है, जिसमें सबसे अधिक भीषण गर्मी पड़ती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये नक्षत्र 15 दिन तक रहता है। नौतपा न केवल प्रकृति के ताप का संकेत है, बल्कि यह शरीर, मन और पर्यावरण को शुद्ध करने का काल भी माना गया है। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस समय की गई तपस्या, सेवा और दान अत्यंत फलदायी होते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार नौतपा का संबंध भगवान सूर्य से है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान जल का अधिक वाष्पीकरण होता है, जो आगे चलकर मानसून की वर्षा में सहायक बनता है। स्कंद पुराण और ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे ग्रंथों में सूर्योपासना को अत्यंत फलदायी बताया गया है। कई लोग इसे प्राकृतिक तपस्या का समय मानते हैं जब सूर्य देव स्वयं प्रकृति को शुद्ध करते हैं।

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने वैवाहिक वर्षगांठ एवं पंडित गिरीश तिवारी का जन्मदिन आज ई22:45 बंगले में धूमधाम के साथ मनाया।

बिजली विभाग ने विकलांग का कनेक्शन काटा, चोरी का प्रकरण बनाया

भोपाल। भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली विभाग ने पैरालिसिस नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित मुनीर अहमद के कच्चे मकान का बेबुनियाद बिजली बिल भेजने पर जब मुनीर अहमद ने बिल जमा नहीं किया तो बिजली कंपनी ने उनका कनेक्शन काट दिया और बिजली चोरी का प्रकरण भी बना दिया। पीड़ित परिवार भीषण गर्मी में बेतहाशा परेशान हो रहा था जिसकी सूचना कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला को मिली

कांग्रेस नेता शुक्ला ने कार्यकर्ताओं के साथ गंभीर बीमारी से पीड़ित को व्हीलचेयर पर बैठाकर शुक्रवार को चांदबढ़ जोन कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने अपनी गलती मानने से इनकार किया जिसके बाद तीखी नोकझोंक की स्थिति बन गई। शुक्ला ने आरोप लगाया कि लंबे समय से पैरालिसिस नामक बीमारी से पीड़ित बिस्मिल्ला कालोनी निवासी मुनीर अहमद के अवैध बिजली के बिल को लेकर कोई सुनवाई नहीं की जा रही थी। मजबूरी में जब परिवार ने बिजली का उपयोग करना शुरू कर दिया तो चोरी का प्रकरण बना दिया गया है जो की अमानवीय है। इस अवसर पर मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मुकेश पंथी, तारिक अली, अमित खत्री, संदीप सरवैया, प्रिंस नवांगे, मुजाहिद सिद्दीकी, विजेंद्र शुक्ला, बाबर खान, अलीम उद्दीन बिल्ले, केशव मोरे, फिरोज खान, दर्शन कोरी, आदि मौजूद थे।

बीयू में आज से शुरू होगी यूटीडी के 10 विभागों की काउंसलिंग, मेरिट के आधार पर मिलेगा प्रवेश

भोपाल। राजधानी भोपाल स्तिथ बरकतउल्ला विश्वविद्यालय सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित कोर्स की 1200 सीटों पर प्रवेश देने के लिए आज 24 मई से काउंसलिंग शुरू होगी। खास बात यह है कि इस सत्र में विश्वविद्यालय ने सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। सीयूईटी के माध्यम से 100 फीसदी पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जानकारी के लिए बतादें कि बीयू सीयूईटी और नॉन सीयूईटी दोनों तरह से प्रवेश देगा। वर्तमान सत्र में 75 फीसदी सीट पर नॉन सीयूईटी और 25 फीसदी सीयूईटी प्रवेश होंगे। पिछले वर्ष सीयूईटी से प्रवेश कराने के कारण कई विभागों में बेहतर प्रवेश नहीं मिल पाए थे। यहां तक कुछ विभागों में प्रवेश की संख्या जीरो ही रह गई थी। इसलिए विश्वविद्यालय ने तय किया कि सिर्फ 25 फीसदी सीटों पर ही सीयूईटी से प्रवेश दिए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी प्रवेश ले सके।

परीक्षाओं में हाईटेक नकल के मामले

इधर बीयू की परीक्षाओं में हाईटेक नकल के मामले सामने आए हैं। 4 अप्रैल से चल रही एमए, एमकॉम, एमएससी, एमबीए और बीए-बीकॉम परीक्षाओं में अब तक 249 छात्र नकल करते पकड़े गए। इनमें से 52 छात्र स्मार्ट वॉच, मोबाइल और ब्लूटूथ डिवाइस से नकल कर रहे थे।जानकारी के मुताबिक मोबाइल बेल्ट में, ब्लूटूथ कॉलर में और नोट्स स्मार्ट वॉच में छुपाकर लाए गए। कुछ छात्रों ने स्मार्ट वॉच में ऑडियो फाइल तक लोड कर रखी थी। उड़न दस्तों की निगरानी में एक छात्र का माइक्रो ब्लूटूथ तक पकड़ में नहीं आया। डीएसडब्ल्यूओ प्रो. पवन मिश्रा के अनुसार, 57 पीजी, 40 एमबीए और 101 यूजी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

मध्य प्रदेश के 94 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपए

भोपाल। मध्य प्रदेश में 94 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 12वीं की परीक्षा का परिणाम पिछले साल से बेहतर है। इस कारण 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब चार हजार बढ़ गई है। पिछले साल 90 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि दी गई थी।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से माशिम से विद्यार्थियों की संख्या मांगी गई थी। मंडल ने 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या और नाम की सूची भेज दिया है। उधर, लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को आदेश जारी कर पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाते को अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

एमपी में सरकारी कर्मचारी निजी अस्पताल में करा सकेंगे इलाज

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए इलाज को और अधिक सुलभ और रियायती बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। अब प्रदेश के 50 से अधिक निजी अस्पतालों को मनोनीत सूचीबद्ध अस्पताल घोषित किया गया है। यहां सरकारी कर्मचारी सीजीएचएस (सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) की पैकेज दरों पर उपचार ले सकेंगे। 22 मई को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, इन अस्पतालों में रजिस्ट्रेशन से लेकर ऑपरेशन, दवाएं, जांच, आईसीयू, डॉक्टर फीस, फिजियोथेरेपी और नर्सिंग सेवाएं तक सभी शुल्क पैकेज में शामिल होंगे। अस्पतालों को अलग से दवा या उपकरण बेचने की अनुमति नहीं होगी। इलाज के बाद कर्मचारी को शासन द्वारा तय प्रारूप में बिल देना अनिवार्य होगा। इस सूची में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, शाजापुर, कटनी, हरदा, बैतूल, विदिशा, होशंगाबाद जैसे शहरों के प्रतिष्ठित अस्पताल शामिल हैं।

भोपाल में 7 साल की बच्ची को एयर लिफ्ट कर लिवर के इलाज के लिए गुड़गांव भेजा

भोपाल। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा आपातकाल में कई जिंदगियों को बचाने ने अहम भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में भोपाल की रहने वाली 7 वर्षीय बालिका को लीवर की गंभीर बीमारी के उपचार के लिए भोपाल से गुड़गांव एयरलिफ्ट कर भर्ती करवाया गया। मरीज के आयुष्मान कार्ड धारक होने के कारण यह सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। बच्ची के परिजनों ने पेट दर्द, त्वचा के पीले पड़ने, मल में खून आने की समस्या के इलाज के लिए 19 मई को भोपाल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। अस्पताल में प्राथमिक जांच में एक्यूट हेपिटाइटिस विथ इंपैंडिंग फैलियर पाया गया। जिसके बाद एयर एम्बुलेंस द्वारा मरीज को इलाज के लिए गुड़गांव के निजी अस्पताल की पीडियाट्रिक लिवर यूनिट में रेफर किया गया है।

गुड़गांव के चिकित्सकों से समन्वय

एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, भोपाल द्वारा जिला प्रशासन और संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क कर करवाई गई। इसके साथ ही गुड़गांव के चिकित्सकों से समन्वय कर मरीज को शिफ्ट करवाया गया। जहां इलाज चल रहा है। सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े एवं चिकित्सकों की देखरेख में पूरी प्रक्रिया कराई गई। मरीज के भोपाल स्थित अस्पताल से डिस्चार्ज से लेकर मरीज के एयर लिफ्ट होने तक पूरे समय स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

निःशुल्क परिवहन की व्यवस्था

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की इस योजना से गंभीर मरीजों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थाओं में बेहद कम समय में पहुंचाकर त्वरित उपचार मिल रहा है। आयुष्मान कार्डधारी के उपचार के लिये राज्य के अंदर एवं राज्य के बाहर सभी शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पतालों में उपचार के लिए निःशुल्क परिवहन की व्यवस्था है। अन्य हितग्राही जो कि आयुष्मान कार्डधारी नहीं हैं, उनके उपचार के लिए राज्य के अंदर स्थित शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क परिवहन जबकि राज्य के बाहर के किसी भी अस्पताल में अनुबंधित दर पर सशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध है।